Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 294
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 30 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 मुंबई फरवरी में वैश्विक 'मुंबई जलवायु सप्ताह'... 4 धुएं में घिरा आसमान, पर जंगलों से आई... 7 विजय देवरकोंडा से शादी की अफवाहों के ...

संक्षिप्त न्यूज

राष्ट्रपति मुर्मू ने राफेल में भरी ऐतिहासिक उड़ान, ऐसा करने वाली पहली भारतीय प्रेसिडेंट बनीं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को हरियाणा के अंबाला स्थित वायुसेना स्टेशन पर राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरने वाली पहली भारतीय राष्ट्रपति बनीं। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल विमानों का विशेष रूप से इस्तेमाल

किया गया था। इससे पहले, पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम और प्रतिभा पाटिल दोनों ने लड़ाकू विमानों में उड़ान भरी थी। कलाम और पाटिल ने सुखोई-30 एमकेआई में उड़ान भरी थी। मुर्मू ने स्वयं 8 अप्रैल, 2023 को सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी, जिससे वह ऐसा करने वाली भारत की तीसरी राष्ट्रपति बन गईं।

ग्रुप कैप्टन अमित गेहानी राष्ट्रपति को ले जाने वाले विमान के पायलट थे। वह भारतीय वायुसेना की 17वीं स्क्वाड्रन, 'गोल्डन एरोज़' के कमांडिंग ऑफिसर (सीओ) भी हैं। भारतीय वायुसेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने भी राष्ट्रपति को ले जाने वाले विमान को एस्कॉर्ट करने के लिए एक अन्य विमान में उड़ान भरी। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को इस संबंध में एक बयान जारी किया। इसमें लिखा था, 'भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हरियाणा के अंबाला जाएँगी, जहाँ वह राफेल में उड़ान भरेंगी।'

गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में राफेल विमानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मरीनटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव में बोले पीएम मोदी

'भारत के समुद्री क्षेत्र पर पूरी दुनिया को विश्वास'

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मुंबई में इंडिया मरीनटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के इस कालखंड में भारत का समुद्री क्षेत्र बड़ी तेजी और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि देश के बंदरगाह अब विकासशील देशों में सबसे कुशल बंदरगाहों में गिने जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि साल 2025 भारत के मरीनटाइम सेक्टर के लिए बहुत अहम साल रहा है।'

विकसित देशों के बंदरगाहों से भी बेहतर प्रदर्शन- मोदी

इंडिया मरीनटाइम वीक 2025 कार्यक्रम में उपलब्धियों को गिनाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही विझिंजम बंदरगाह पहला गहरे पानी का अंतर्राष्ट्रीय केंद्र है, जिसका परिचालन शुरू हो गया है। वर्ष 2024-25 में भारत के प्रमुख बंदरगाहों में अधिकतम कार्गो हैंडलिंग की जा रही है, जो एक नया रिकॉर्ड बनाएगी। पहली बार किसी भारतीय बंदरगाह कांडला बंदरगाह में मेगावाट पैमाने पर हरित हाइड्रोजन सुविधा शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि जेएनपीटी जो कि भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल है, उसकी हैंडलिंग क्षमता दोगुनी हो गई है

और यह भारत का सबसे बड़ा कंटेनर बंदरगाह बन गया है। इसकी क्षमता के विस्तार को बड़े एफडीआई निवेश ने इसे संभव बनाया है और मैं इसके लिए सिंगापुर के पेशेवरों को धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत के बंदरगाह विकासशील देशों में सबसे कुशल बंदरगाहों में गिने जाते हैं।

समुद्री क्षेत्र में सुधार, नए आधुनिक कानून लागू

पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष समुद्री क्षेत्र में भी सुधार हुए हैं, हमने औपनिवेशिक कानूनों को हटाकर नए आधुनिक कानून लागू किए हैं। ये कानून समुद्री बोर्ड को सशक्त बनाते हैं और बंदरगाहों पर डिजिटलीकरण को बढ़ावा देते हैं। हमने विधेयक को वैश्विक स्तर पर सुसंगत बनाया है और व्यापार में आसानी को बढ़ावा दिया है, जिससे निवेशकों को लाभ हो रहा है। तटीय नौवहन अधिनियम व्यापार को आसान बनाने के लिए बनाया गया है और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा को समर्थन प्रदान करती है। एक राष्ट्र और एक बंदरगाह प्रक्रिया को भी मानकीकृत किया गया है। समुद्री क्षेत्र में बदलाव इतिहास है, समुद्री दृष्टि ने 100 और नए संग्रहालय बनाए हैं।

भारत के समुद्री क्षेत्र पर दुनिया को विश्वास-मोदी

मरीनटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव में पीएम मोदी ने आगे कहा, 'साल 2016 में मुंबई में ही इस आयोजन की शुरूआत हुई थी और ये हम सभी के लिए खुशी की बात है कि आज ये समिट एक ग्लोबल इवेंट बन चुका है। आज यहां इस कार्यक्रम में दुनिया के 85 से अधिक देशों की भागीदारी अपने आप में एक बहुत बड़ा संदेश दे रही है। अभी यहां शिपिंग सेक्टर से जुड़ी कई योजनाओं का शुभारंभ हुआ है और शिपिंग सेक्टर्स में हुए लाखों-करोड़ों के एमओयू भी जारी हुए हैं। ये दिखाता है कि भारत के मैरीटाइम सेक्टर पर दुनिया का कितना विश्वास है।' उन्होंने कहा कि मरीनटाइम इंडिया विजन के तहत 150 से ज्यादा पहल शुरू की गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप समुद्री क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के प्रमुख बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हो गई है और टर्नअराउंड समय में काफी कमी आई है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बड़ी संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया गयाः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को दावा किया कि भारत-पाकिस्तान सीमा पार चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में 'अच्छी-खासी संख्या' में पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई उस समय की गई जब पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्या से पूरे देश में आक्रोश था। दरभंगा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'हम पड़ोसी पाकिस्तानी को सबक सिखा चुके हैं क्योंकि उन्होंने हमारे नागरिकों को मारा था।' सिंह ने कहा कि आतंकवादियों ने कश्मीर के पर्यटन स्थल में धर्म पूछने के बाद निर्दोष नागरिकों की हत्या की थी।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि भारत ने संयम दिखाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत 'जात-धर्म आधारित राजनीति' में नहीं विश्वास करता। उन्होंने कहा कि भारत की राजनीति न्याय और मानवता पर आधारित है। सिंह ने कहा कि भारत पूरे विश्व को एक परिवार मानता है और वसुधैव कुटुम्बकम के मंत्र में विश्वास करता है। उन्होंने कहा, हमारे ऋषियों ने कभी नफरत नहीं सिखाई।

सिंह ने यह भी याद दिलाया कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के बैंक खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर किए, तो उन्होंने यह नहीं पूछा कि वह हिंदू हैं या मुस्लिम और यही इस देश की आत्मा है। रक्षा मंत्री ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर का लक्ष्य स्पष्ट था- आतंकवादियों के शिविरों को निशाना बनाना जिन्होंने हमारे लोगों को मारा था।

उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति सिर्फ प्रहार करने में नहीं, बल्कि मानवता, न्याय व संयम से कार्रवाई करने में निहित है।

अभिषेक बनर्जी ने एसआईआर को लेकर भाजपा और निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा, बड़े आंदोलन की चेतावनी दी

कोलकाता।तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग पर हमला बोला। बनर्जी ने दावा किया कि यह कवायद वास्तविक मतदाताओं को ''बाहर'' करने और 2026 के राज्य विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक संतुलन को बिगाड़ने के लिए की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग 2002 में दो साल तक चले एक ''व्यापक कार्य'' को हड़बड़ी में पूरा कर रहा है, जिसका उद्देश्य राज्य प्रशासन को अपने नियंत्रण में लाना है, ताकि निर्वाचित सरकार काम न कर सके। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा, ''भाजपा के सहयोगी संगठन, निर्वाचन आयोग ने कल एसआईआर की घोषणा की है। यह प्रक्रिया (नाम) शामिल करने की नहीं, बल्कि बाहर करने के बारे में है।'' उन्होंने कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी यह तय करने का प्रयास कर रही है कि ''कौन वोट देगा और कौन नहीं।'' मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से सरकार बदलने पर ''देश छोड़कर नहीं भागने'' की अपील करते हुए बनर्जी ने कहा, ''आप जहां भी जाएंगे, मैं आपको ढूंढकर वापस लाऊंगा। आपको जनता को जवाब देना होगा।'' उन्होंने कहा कि एसआईआर का मतलब ''साइलेंट इनविजिबल रिगिंग'' है और तर्क दिया कि यह प्रक्रिया असली मतदाताओं को शामिल करने के लिए नहीं, बल्कि ''राजनीतिक निर्देश पर उन्हें बाहर करने'' की साजिश है।

वायनाड पहुंची प्रियंका, बोलीं- केरल में एसआईआर का करेंगी विरोध

तिरुवनंतपुरम/चेन्नई। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को साफ किया कि पार्टी केरल में मतदाता सूची की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया का कड़ा विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह बिहार में इस प्रक्रिया के नाम पर धांधली हुई, वैसा ही खेल अब दूसरे राज्यों में भी खेला जा रहा है, और कांग्रेस इसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेगी। वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी ने चुनाव आयोग के इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग कई राज्यों में मतदाता सूची की स्पेशल रिवीजन करने की तैयारी में है, जिसमें केरल भी शामिल है।

उन्होंने कहा कि हमने बिहार में भी इस प्रक्रिया का विरोध किया था, संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह, और आगे भी हर जगह इसका विरोध जारी रहेगा। प्रियंका ने इस प्रक्रिया को धोखाधड़ी और चुनावी जालसाजी का तरीका बताते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के खिलाफ साजिश है।

प्रियंका का दौरा और जनसंपर्क कार्यक्रम

प्रियंका गांधी इन दिनों वायनाड के दो दिवसीय दौरे पर हैं, जहां वह अपने संसदीय क्षेत्र में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन कर रही हैं। वह बुधवार सुबह कारीपुर एयरपोर्ट पहुंचीं और सड़क मार्ग से वायनाड गईं। इस दौरान उन्होंने मलप्पुरम जिले के एरनाड में राजीव गांधी मेमोरियल गवर्नमेंट आयुर्वेद डिस्पेंसरी की नई इमारत का उद्घाटन भी किया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, वह अपने दौरे में स्थानीय लोगों से मिलकर विकास कार्यों की समीक्षा भी करेंगी।

बिहार का हवाला और लोकतंत्र पर खतरा

कांग्रेस नेता ने कहा कि बिहार में जिस तरह से मतदाता सूची की समीक्षा की गई, उससे साफ है कि इसका मकसद लोगों के वोटिंग अधिकारों को सीमित करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यही तरीका देशभर में अपनाया गया, तो यह लोकतंत्र पर हमला होगा। हमने देखा है कि बिहार में क्या हुआ, और अगर वही बाकी राज्यों में दोहराया गया तो यह लोकतंत्र का अपमान होगा।

'नवंबर क्रांति' पर डीके शिवकुमार की कांग्रेस नेताओं को सलाह, बोले- खुद को तनाव में ना डालें

बंगलूरू। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने जा रहे हैं। इस बीच बीते कई महीनों से राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की सुगबुगाहट जोरों पर है। हालांकि इस मुद्दे पर कोई खुलकर बात नहीं करता, लेकिन दबी जुबान दोनों खेमों के नेताओं में चर्चा होती है। इस बीच मुख्यमंत्री बदलने की चर्चाओं को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने उस वक्त हवा दी, जब उन्होंने सोमवार (27 अक्तूबर) को कहा कि अगर कांग्रेस आलाकमान चाहेंगे तो वो पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए पद पर बने रहेंगे।

'नवंबर क्रांति' पर नेताओं को सलाह

इस बीच अब उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार (29 अक्तूबर) को कर्नाटक कांग्रेस नेताओं से आग्रह किया कि वे मुख्यमंत्री पद में संभावित बदलाव या तथाकथित 'नवंबर क्रांति' पर चर्चा करके खुद को तनाव में ना डालें।

दरअसल, राजनीतिक हलकों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि अगले महीने जब सरकार अपना आधा कार्यकाल यानी ढाई साल पूरा कर लेगी, तब कांग्रेस

नेतृत्व में बदलाव देख सकता है, जिसे कुछ लोग 'नवंबर क्रांति' कह रहे हैं। जिस पर शिवकुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं अनुरोध करता हूं कि कोई भी ऐसी किसी भी बात पर चर्चा करके खुद को तनाव में ना डाले।

कई बार सिद्धारमैया दे चुके बयान

मालूम हो कि नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएं कुछ समय से चल रही हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस के कुछ धड़े मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला दे रहे हैं। सिद्धारमैया ने पहले कहा था कि वह कांग्रेस आलाकमान के फैसले के अधीन पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने रहेंगे। बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नवंबर को राज्य भर में लगभग 100 'कांग्रेस भवनों' की आधारशिला रखने के लिए कर्नाटक आ रहे हैं, हालांकि डीके शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि तारीख अभी तय नहीं हुई है। शिवकुमार ने कहा कि मैंने अनुरोध किया है। कुछ जगहों पर भवन के लिए कागजात तैयार हो रहे हैं और तैयारियां चल रही हैं। मैं रिपोर्ट तैयार कर रहा हूं और इसे भेजना होगा। एक बार यह भेज दिए जाने के बाद, वह तारीख को अंतिम रूप देंगे।

दिल्ली की उम्मीदों पर फिरा पानी, कृत्रिम बारिश का दावा फेल, हवा जहरीली बरकरार

नई दिल्ली। कल्ट क्लासिक 'लगान' में, फिल्म के अंत में बारिश का दृश्य इसके क्लाइमेक्स के लिए बेहद अहम है। सूखाग्रस्त गाँव में बारिश का आना, शक्तिशाली अंग्रेजों पर क्रिकेट टीम की जीत का प्रतीक था। मंगलवार को, दिल्लीवासियों को भी कुछ ऐसी ही उम्मीद थी–बहुप्रचारित क्लाउड सीडिंग परीक्षणों के बाद मूसलाधार बारिश और अंततः प्रदूषण पर 'विजय'। हालाँकि, एक भी बूँद नहीं गिरी, और राष्ट्रीय राजधानी की जहरीली हवा पहले की तरह ही भारी बनी रही।

पिछले कुछ वर्षों में, दिल्ली की सभी सरकारें कृत्रिम वर्षा कराने के लिए क्लाउड सीडिंग के विचार पर विचार करती रही हैं, खासकर सर्दियों के महीनों में, जब कम तापमान और कम हवा की गति प्रदूषकों को ज़मीन के पास फँसा देती है। कृत्रिम वर्षा हवा में मौजूद प्रदूषकों को बाहर निकालने में मदद कर सकती है, लेकिन यह केवल एक अस्थायी उपाय है।

लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए एसआईआर पर दो नवंबर को बैठक, सभी दल शामिल होंः स्टालिन

हैदराबाद।मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर दो नवंबर को होने वाली सर्वदलीय बैठक लोकतंत्र को सुरक्षित रखने का एक प्रयास है और सभी दलों को राजनीतिक मतभेद भुलाकर इसमें शामिल होना चाहिए।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके सहयोगी एसआईआर का विरोध करते रहे हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा हाल ही में तमिलनाडु सहित अन्य चुनाव वाले राज्यों में अगले महीने से पुनरीक्षण लागू करने की घोषणा के बाद सरकार ने आगे की कार्रवाई तय करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस अभ्यास के माध्यम से तमिलनाडु के लोगों के मतदान के अधिकार को छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, मैं इस मंच से दोहराता हूं कि मतदान लोकतंत्र का आधार है। हम इसे किसी भी कीमत पर कुर्बान नहीं करेंगे। हम

मतदान के अधिकार छीनने और वोट चोरी जैसे भाजपा के प्रयासों पर काबू पाएंगे और तमिलनाडु के लोगों के मतदान के अधिकार की रक्षा करेंगे।

स्टालिन ने कहा कि केरल हमारे साथ जुड़ गया है, उनका स्पष्ट संदर्भ उस राज्य के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के एसआईआर के विरोध से था। प्रस्तावित सर्वदलीय बैठक के बारे में स्टालिन ने कहा, लोकतंत्र की रक्षा के उद्देश्य से किए जा रहे इस प्रयास में सभी राजनीतिक दलों को अपने राजनीतिक मतभेद भुलाकर भाग लेना चाहिए।

केरल पीएम श्री के कार्यान्वयन की समीक्षा करेगाः मुख्यमंत्री विजयन

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बुधवार को यहां कहा कि केरल सरकार राज्य में केंद्र की पीएम श्री योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालय योजना के कार्यान्वयन का अध्ययन करने के लिए सात सदस्यीय मंत्रिमंडल उप-समिति गठित की गई है। उन्होंने यहां मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में मीडिया को बताया कि उप-समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने तक पीएम श्री योजना के कार्यान्वयन से संबंधित आगे की कार्यवाही स्थगित रहेगी। विजयन ने कहा, ''इस बारे में केंद्र को पत्र के माध्यम से सूचित किया जाएगा।''

मुख्यमंत्री ने बताया कि सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी मंत्रिमंडल उप-समिति के अध्यक्ष होंगे तथा मंत्री के राजन, पी राजीव, रोशी ऑगस्टीन, के प्रसाद, के कृष्णनकुट्टी और ए के ससीन्द्रन सदस्य होंगे। इससे पहले, इस मामले पर आम सहमति बनाने के लिए पिछले कुछ दिनों से माकपा और भाकपा नेताओं द्वारा बहुस्तरीय चर्चाएं की जा रही थीं।

यद्यपि, मुख्यमंत्री विजयन ने इस मामले में सीधे हस्तक्षेप किया, लेकिन गतिरोध का समाधान नहीं हो सका, क्योंकि भाकपा के प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व ने पीएम श्री योजना के साथ केरल के जुड़ने के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है।

छठ पर टिप्पणीः धर्मेंद्र प्रधान बोले- राहुल गांधी ने किया सनातन का अपमान, सार्वजनिक माफ़ी मांगें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए, केंद्रीय मंत्री और बिहार चुनाव के लिए भाजपा के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को कहा कि राहुल की टिप्पणी सार्वजनिक संवाद में शिष्टाचार के बुनियादी मानदंडों के विरुद्ध है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर की गई इस बेतुकी टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेता से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने की भी मांग की। प्रधान ने कहा कि राहुल गांधी को छठ के महापर्व और प्रधानमंत्री मोदी के बारे में इस अपमानजनक और बेहद शर्मनाक बयान के लिए बिहार और देश की जनता से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगनी चाहिए, जो मर्यादा की सभी सीमाओं को लांघता है।

प्रधान ने आगे कहा कि राहुल गांधी का बयान सनातन संस्कृति के प्रति उनकी घृणा को दर्शाता है, साथ ही माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति कांग्रेस की गहरी नाराजगी और हताशा को भी उजागर करता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपनी सामंती मानसिकता, राजनीतिक हताशा और हार के डर से

प्रेरित होकर ये बयान दिए हैं। यह वही मानसिकता है जिसने पहले प्रधानमंत्री जी और उनकी पूज्य माता जी के खिलाफ अपमानजनक बयान दिए हैं। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और उनके छल-कपट वाले महागठबंधन ने हमेशा जंगलराज को बढ़ावा देते हुए बिहार के गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं की आकांक्षाओं को कुचल का काम किया है। ये लोग ऐसी अभद्र भाषा का सहारा ले रहे हैं। हालाँकि, बिहार की जनता विकास और सुशासन चाहती है, न कि वंशवाद और नफ़रत की राजनीति।

राहुल गांधी ने इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला था और आरोप लगाया था कि वह वोटों के लिए कुछ भी कर सकते हैं, यहाँ तक कि नाच भी सकते हैं और भाजपा पर बिहार में नीतीश कुमार सरकार को रिमोट कंट्रोल से चलाने का आरोप लगाया था। मुजफ्फरपुर और दरभंगा में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के साथ लगातार दो संयुक्त रैलियों के साथ अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए, राहुल ने कहा कि आपने टीवी पर वह ड्रामा देखा होगा कि मोदी छठ पूजा के लिए यमुना में डुबकी लगाने जा रहे थे।

नर्मदा नदी में छोड़े जाएंगे मगरमच्छ, मध्यप्रदेश सरकार संरक्षण के लिए है प्रतिबद्धः मोहन यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार मां नर्मदा के पवित्र वाहन माने जाने वाले मगरमच्छों को इस नदी में छोड़ने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रही है। नर्मदा नदी का प्रवाह मगरमच्छों के आवास के लिए बेहद अनुकूल माना जाता है।

मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि बृहस्पतिवार को इन सरीसृपों को नदी में छोड़ा जाएगा। यादव इस उद्देश्य के लिए बृहस्पतिवार को खंडवा जिले के नर्मदानगर का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सभी प्रजातियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य में वन्यजीवों और जलीय प्रजातियों, जिनमें घड़ियाल और मगरमच्छ शामिल हैं, की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले साल चंबल नदी में घड़ियाल छोड़े गए थे।

यादव ने कहा कि राज्य में सभी वन्यजीव प्रजातियों के संरक्षण के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में मानव और वन्यजीव एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि मगरमच्छों को नर्मदा नदी में ऐसे स्थान पर छोड़ा जाए जहां वे लोगों के लिए कोई खतरा न बनें। उन्होंने कहा कि मगरमच्छों की उपस्थिति मां नर्मदा के लिए शुभ होगी और नदी के जल प्रवाह को मजबूत करेगी।

आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई में सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2025 के उपलक्ष्य में भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), पश्चिम क्षेत्र, मुंबई द्वारा 29 अक्टूबर 2025 को क्षेत्रीय कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत 27 अक्टूबर 2025 को गौरव झा, समूह महाप्रबंधक, आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र द्वारा सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाए जाने के साथ हुई। इस अवसर पर संगठन के कर्मचारियों ने ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक शासन के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प दोहराया।

सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों के अंतर्गत आईआरसीटीसी के कर्मचारियों द्वारा एक सूचनात्मक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें नैतिक आचरण के महत्व और भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों को रचनात्मक ढंग से दर्शाया गया। इसी क्रम में मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम पर एक सुंदर रंगोली भी बनाई गई, जिसकी सराहना प्रदीप कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, आईआरसीटीसी कॉरपोरेट कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा की गई।

29 अक्टूबर 2025 को आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई के सम्मेलन कक्ष में एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गौरव झा ने श्री तरुण जैन, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, पश्चिम रेलवे का स्वागत किया तथा उन्हें शुभकामनाओं का प्रतीक पौधा भेंट किया। जैन ने अपने प्रेरक उद्बोधन में लोक प्रशासन में सतर्कता, नैतिकता और जवाबदेही के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम में आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस आयोजन का उद्देश्य कर्मचारियों में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता के मूल्यों को सुदृढ़ करना था, जो केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) द्वारा निर्धारित सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2025 की थीम के अनुरूप है।

बांद्रा टर्मिनस डिपो में एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने बांद्रा टर्मिनस डिपो में 100 किलो लीटर प्रतिदिन (केएलडी) क्षमता वाला एक अत्याधुनिक एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) स्थापित किया है। यह पहल भारतीय रेल के पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के संकल्प को सशक्त करती है। यह संयंत्र वॉशिंग लाइनों और डिपो गतिविधियों से उत्पन्न अपशिष्ट जल के प्रभावी उपचार पर केंद्रित है, जिससे उसके निर्वहन या पुनः उपयोग से पूर्व अपशिष्ट का जिम्मेदार और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन सुनिश्चित हो सके।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह संयंत्र हर महीने 12 लाख लीटर से अधिक अपशिष्ट जल का उपचार करता है और उसे गैर-पेय प्रयोजनों जैसे- कोच धुलाई, प्लेटफॉर्मों और परिसंचरण क्षेत्रों की सफाई, बागवानी और रखरखाव गतिविधियों के लिए उपयुक्त उपचारित जल में परिवर्तित करता है। इस पहल से मीठे पानी की खपत कम होती है, जिससे जल संरक्षण और संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा मिलता है। इस अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र की स्थापना, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और राष्ट्रीय स्वच्छता एवं स्थिरता लक्ष्यों के अनुपालन के प्रति पश्चिम रेलवे की सक्रिय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्नत उपचार तकनीकों को पर्यावरण-[illegible] परिचालन प्रक्रियाओं के साथ एकीकृत करते हुए, पश्चिम रेलवे यह दर्शाती है [illegible] अवसंरचना विकास और पर्यावरणीय दायित्व किस प्रकार संतुलित रूप से आगे बढ़ सकते हैं, जिससे एक स्वच्छ, हरित और अधिक स्थायी रेलवे नेटवर्क का निर्माण संभव हो पाता है।

कोपरखैराने सेक्टर 19A में धूमधाम से सम्पन्न हुआ आस्था का महापर्व छठ पूजा

संजय राय संवाददाता

नवी मुंबई के कोपरखैराने सेक्टर 19A स्थित धारन तालाब एवं गणपति विसर्जन तालाब पर सोमवार को बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाओं ने सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और संतान सुख, समृद्धि तथा परिवार के कल्याण की कामना की।

सुबह और शाम दोनों समय घाटों पर सुंदर सजावट की गई थी। तालाब परिसर में सुरक्षा एवं स्वच्छता के पुख्ता इंतज़ाम किए गए थे।

भक्तों ने पारंपरिक गीतों और लोक-संगीत के साथ पूजा अर्चना की। माहौल भक्तिमय और उत्साहपूर्ण रहा।

छठ पूजा के अवसर पर पूरे क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव का माहौल रहा।

मंगलवार की सुबह उषा अर्घ्य के साथ ही आस्था का महा पर्व छठ पूजा का समापन हुआ।

जिसमें मौजूद रहे संजय राय, शकुन्तला राय, सिंपी राय, अंकित राय और प्रिंस राय एवं समस्त श्रद्धालु।

लैंप पोस्ट से तांबे के तार चुराने वालों के खिलाफ कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम ने नगर निगम क्षेत्र की सड़कों पर 35,000 से ज़्यादा लैंप पोस्ट लगाए हैं, और वाशी लिंक रोड और ठाणे-बेलापुर हाईवे पर लगे लैंप पोस्ट में लगे तांबे के तार चोरी होने की बात सामने आई है। इस संबंध में 10 दिन पहले वाशी पुलिस स्टेशन में शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। नगर निगम के बिजली विभाग ने लैंप पोस्ट के रखरखाव और मरम्मत के लिए विभागवार एजेंसियों को नियुक्त किया है, और उनके माध्यम से एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा दिन में दो से तीन बार लैंप पोस्ट का निरीक्षण किया जाता है।

इसमें सायन-पनवेल हाईवे पर वाशी टोल प्लाजा से पहले वाशी गाँव के पास का इलाका, बेलापुर फ्लाईओवर के पास का इलाका और ठाणे-बेलापुर रोड पर कुछ इलाकों में लैंप पोस्ट से तांबे के तार चोरी होने की घटना के बाद नवी मुंबई बिजली विभाग के संज्ञान में लाया गया।

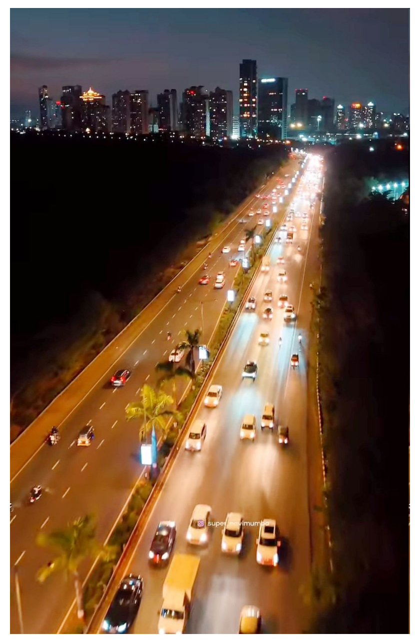

इसमें 27 अक्टूबर की शाम लगभग 5.30 बजे, ठाणे बेलापुर रोड पर कोकिलाबेन अस्पताल के पास डिवाइडर में लगे लैंप पोस्ट से दो लोग तांबे के तार हटा रहे थे, तभी इस क्षेत्र में लैंप का रखरखाव और मरम्मत करने वाली एजेंसी मेसर्स चैतन्य इलेक्ट्रिकल के कर्मचारियों की नज़र उन पर पड़ी। एक चोर भाग निकला और दूसरे व्यक्ति को चोरी किए गए 48 मीटर तांबे के तार के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

इस संबंध में मेसर्स चैतन्य इलेक्ट्रिकल के माध्यम से तुर्भे पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक लैंप पोस्ट में लगभग 48 मीटर तांबे के तार का उपयोग होता है। निरीक्षण के बाद, पाया गया कि ऐसे 60 लैंप पोस्ट से लगभग 2880 मीटर तार चोरी हो गए थे। इस तरह की चोरियाँ इस क्षेत्र के लैंप पोस्ट को प्रभावित कर रही हैं और अक्सर शिकायतें मिल रही थीं कि स्ट्रीट लाइटें काम नहीं कर रही हैं। विशेष रूप से, बेलापुर फ्लाईओवर के नीचे बस स्टॉप और वाशी गाँव के पास बस स्टॉप से ??बड़ी संख्या में शिकायतें मिली हैं। इसी तरह, लैंप पोस्ट की कमी के कारण, इस क्षेत्र में अंधेरे के कारण यातायात मुश्किल हो रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है और अप्रिय घटनाओं की संभावना है। तदनुसार, इस मामले को गंभीरता से लेते हुए, नगर अभियंता श्री शिरीष आर्डवाड और कार्यकारी अभियंता श्री प्रवीण गाडे के नेतृत्व में मनपा विद्युत अभियंताओं और रखरखाव व मरम्मत एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा और अधिक कड़ी निगरानी बरती गई। इसके चलते, लैंप पोस्ट से तांबे का तार चुराते पकड़े गए व्यक्ति को तुर्भे पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस द्वारा इस मामले में आगे की जाँच की जा रही है।

इस घटना के संबंध में, नागरिकों से अपील है कि यदि वे मनपा की अधिकृत एजेंसी के कर्मचारियों के अलावा किसी भी अज्ञात व्यक्ति को लैंप पोस्ट के पास कोई भी हरकत करते हुए देखें, तो टोल-फ्री नंबर 1800222309 / 1800222310 पर सूचना देकर सहयोग करें।

अतिक्रमण विभाग द्वारा अनाधिकृत फेरीवालों, होर्डिंग-बैनरों, वाहनों पर लगातार कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिवाली के दौरान, अस्थायी फेरीवालों की संख्या में वृद्धि के कारण सड़कों, फुटपाथों, गलियों में अनाधिकृत फेरीवालों की संख्या में वृद्धि देखी गई और इसके परिणामस्वरूप नागरिकों को असुविधा हुई। साथ ही, इस त्यौहार के दौरान विभिन्न वस्तुओं की खरीदारी की संख्या में वृद्धि के कारण, दोपहिया और अन्य वाहन बड़ी संख्या में सड़कों पर थे, जिससे यातायात की समस्याएँ उत्पन्न हुईं।

इसके अनुरूप, मनपा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देशानुसार, अतिरिक्त आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे के मार्गदर्शन में और उपायुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलास गायकवाड़ के प्रत्यक्ष नियंत्रण में, नवी मुंबई के सभी आठ विभागीय कार्यालयों के माध्यम से पिछले पूरे सप्ताह अनाधिकृत फेरीवालों, फुटपाथों पर अतिक्रमण, सड़क के किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों और होर्डिंग/बैनरों पर कार्रवाई का विशेष अभियान लगातार चलाया गया।

इस विशेष अभियान में समासी भूमि का अवैध उपयोग करने वाली 330 दुकानों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। 8488 अनाधिकृत फेरीवालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। सड़क/नो-पार्किंग क्षेत्र में अवैध रूप से खड़े 14 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। साथ ही, अवैध रूप से लगाए गए 1176 होर्डिंग/बैनरों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। इस विशेष अभियान में 7,45,050 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

मनपा आयुक्त की नीति के अनुसार कि सड़कें और फुटपाथ अवरोध मुक्त हों तथा रेलवे स्टेशन क्षेत्र फेरीवालों से मुक्त हो, बेलापुर, नेरुल, सीवुड्स, कोपरखैरणे स्टेशन क्षेत्रों में तीनों पालियों में फेरीवालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही, मनपा क्षेत्र के मुख्य मार्गों और आंतरिक मार्गों पर अनाधिकृत रूप से लगे स्टॉल, मंडप, वाहन और झोपड़ियों को बड़े पैमाने पर हटाया गया है।

शहर में यातायात की समस्या के स्थायी समाधान हेतु, 31 अक्टूबर को यातायात पुलिस, नगर निगम के संभागीय कार्यकारी अभियंता, संपत्ति विभाग और अतिक्रमण विभाग की एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई है। बैठक में नगर निगम के संभागीय कार्यालयों और यातायात पुलिस उपायुक्त के साथ समन्वय स्थापित कर पार्किंग स्थल, पार्किंग और नो-पार्किंग क्षेत्र निर्धारित किए जाएँगे। स्वच्छ और सुंदर शहर के रूप में विख्यात नवी मुंबई की सड़कों और फुटपाथों को अवरोधों से मुक्त रखने के लिए, नगर निगम भविष्य में निरंतर अभियान चलाएगा और अनधिकृत बैनर, पोस्टर और होर्डिंग लगाने वालों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएँगे।

रेलवे मुंबई और छपरा के बीच 4 त्यौहार विशेष ट्रेन सेवा चलाएगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए लोकमान्य तिलक टर्मिनस, मुंबई और छपरा के बीच 4 अतिरिक्त त्यौहार विशेष ट्रेन सेवाएं चलाने का निर्णय लिया है।

विवरण इस प्रकार हैः

05084 त्यौहार विशेष शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025 को लोकमान्य तिलक टर्मिनस, मुंबई से 14:00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 04:45 बजे छपरा पहुँचेगी।

05083 त्यौहार विशेष बुधवार, 29 अक्टूबर 2025 को छपरा से 20:00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 12:00 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस, मुंबई पहुँचेगी।

संरचनाः 10 एसी-3 टियर इकॉनमी, 4 स्लीपर क्लास, 4 सेकंड सीटिंग चेयर कार, 1 सेकंड सीटिंग कम गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर वैन।

05588 त्यौहार विशेष ट्रेन लोकमान्य तिलक टर्मिनस, मुंबई से शनिवार, 01.11.2025 को 14.00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 04.45 बजे छपरा पहुँचेगी।

05587 त्यौहार विशेष ट्रेन छपरा से गुरुवार, दिनांक 30.10.2025 को 20.00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 12.00 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस, मुंबई पहुँचेगी।

संरचनाः 2 एसी 2 टियर, 6 एसी 3 टियर, 2 एसी-3 टियर इकॉनमी, 5 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सेकंड सीटिंग कम गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर वैन।

05084/83 और 05588/87 के लिए ठहरावः कल्याण, इगतपुरी, नाशिक रोड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, रानी कम्पलापति, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर। गोमती नगर, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, रामकोला, पडरौना, थावे, दिघवा दुबौली और मशरख।

आरक्षणः ट्रेन सांख्य 05084 और 05588 के लिए बुकिंग दिनांक 30.10.2025 को सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर खुलेगी। सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए लागू अनारक्षित आवास के लिए सामान्य शुल्क के साथ यूटीएस प्रणाली के माध्यम से अनारक्षित कोचों की बुकिंग की जा सकती है। इन विशेष ट्रेनों के ठहराव और समय की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन विशेष सेवाओं का लाभ उठाएँ।

मध्य रेलवे पर लौटने वाली त्यौहार विशेष ट्रेनें, यात्रा शुक्रवार से शुरू

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

निम्नलिखित त्यौहार विशेष ट्रेनें 31.10.2025 से मध्य रेलवे पर लौटने वाली हैं।

सीएसएमटी/एलटीटी लौटने वाली ट्रेनों का विवरण

1. ट्रेन संख्या 01032 बनारस-सीएसएमटी स्पेशल, बनारस से सुबह 4.00 बजे प्रस्थान करेगी, भुसावल 00.25 बजे (अगले दिन) पहुँचेगी और सीएसएमटी 04.15 बजे पहुँचेगी।
2. ट्रेन संख्या 01080 गोरखपुर-सीएसएमटी स्पेशल, गोरखपुर से दोपहर 14.30 बजे प्रस्थान करेगी, भुसावल 15.20 बजे (अगले दिन) पहुँचेगी और सीएसएमटी 00.40 बजे पहुँचेगी।
3. ट्रेन संख्या 01144 दानापुर-एलटीटी स्पेशल, दानापुर से 21.30 बजे प्रस्थान करेगी, भुसावल 20.25 बजे (अगले दिन) पहुँचेगी और एलटीटी 04.50 बजे पहुँचेगी।

4. ट्रेन संख्या 05585 सहरसा-एलटीटी स्पेशल, सहरसा से 17.45 बजे प्रस्थान करेगी, भुसावल 22.10 बजे (अगले दिन) पहुँचेगी और एलटीटी 05.30 बजे पहुँचेगी।
5. ट्रेन संख्या 01180 सावंतवाड़ी रोड-एलटीटी स्पेशल, सावंतवाड़ी रोड से 22.20 बजे प्रस्थान करेगी और एलटीटी 10.40 बजे पहुँचेगी।
6. ट्रेन संख्या 01052 बनारस-एलटीटी स्पेशल, बनारस से सुबह 6.35 बजे प्रस्थान करेगी, भुसावल 08.10 बजे (अगले दिन) पहुँचेगी और 16.40 बजे एलटीटी पहुँचेगी।

पुणे/हडपसर लौटने वाली ट्रेनों का विवरण

7. ट्रेन संख्या 01416 गोरखपुर-पुणे स्पेशल, गोरखपुर से शाम 4.30 बजे प्रस्थान करेगी, भुसावल 17.00 बजे (अगले दिन) पहुँचेगी और पुणे 03.15 बजे पहुँचेगी।
8. ट्रेन संख्या 01412 सांगानेर-पुणे स्पेशल, सांगानेर से सुबह 11.35 बजे प्रस्थान करेगी, कल्याण 06.27 बजे (अगले दिन) पहुँचेगी और पुणे 09.30 बजे पहुँचेगी।
9. ट्रेन संख्या 01450 दानापुर-पुणे स्पेशल दानापुर से सुबह 05.30 बजे प्रस्थान करेगी, भुसावल 06.50 बजे (अगले दिन) पहुँचेगी और 18.15 बजे पुणे पहुँचेगी।
10. ट्रेन संख्या 01494 हज़रत निज़ामुद्दीन-पुणे स्पेशल हज़रत निज़ामुद्दीन से रात 21.25 बजे प्रस्थान करेगी, कल्याण 21.23 बजे (अगले दिन) पहुँचेगी और 23.55 बजे पुणे पहुँचेगी।
11. ट्रेन संख्या 01458 दानापुर-हडपसर स्पेशल दानापुर से शाम 19.00 बजे प्रस्थान करेगी, भुसावल 19.00 बजे (अगले दिन) पहुँचेगी और 06.20 बजे हडपसर पहुँचेगी।

इस विशेष ट्रेन के ठहरावों और समय की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया http://www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे असुविधा से बचने के लिए विशेष ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाएँ और वैध टिकट के साथ यात्रा करें।

मुंबई में इमारत के ध्वस्तीकरण के दौरान मलबे की चपेट में आने से दो लोग घायल

मुंबई(संवाददाता) । महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के माहिम इलाके में बुधवार दोपहर ध्वस्तीकरण के दौरान तीन मंजिला एक इमारत के मलबे की चपेट में आने से दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना माहिम रेलवे स्टेशन के पास सेनापति बापट मार्ग पर स्थित उन्नति सोसाइटी में अपराह्न 1.48 बजे हुई। उन्होंने बताया कि तीन मंजिला इमारत को ध्वस्त करने के दौरान पूरा ढांचा एक साथ ढह गया।अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार, घटना में दो लोग घायल हो गए और उन्हें पास के रहेजा अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
ई-निविदा सूचना
क्र. 28-2025-SrDENS

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलपुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये ई-निविदायें आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम:** Repairs to existing N type truss FOBs and other FOBs under ADEN/KLBG sub division. **अनुमानित लागत:** Rs. 1,63,53,005.42. **बयाना रकम:** Rs. 2,31,800/- **समापन की अवधी:** 12 Months. **अनुरक्षण की अवधी:** 06 Months. **www.ireps.gov.in** इस वेब साईट पर टेंडर अपलोड करने का अंतिम दिनांक और समयः **19/11/2025** को **15:00** बजे तक। **www.ireps.gov.in** इस वेब साईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समयः **19/11/2025** को **15:30** बजे। निविदाकारोंसे निवेदन है की कोइ बदलाव / शुद्धिपत्र (यादि हो) के लिये **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

म.रे.प्र. (का), सोलापुर 69

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
विद्युत विभाग
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई-प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.: सोला/वि/नि/2025/21. कार्य का नामः** सोलापुर मंडल के विभिन्न स्टाफ क्वार्टरों, प्रशासनिक कार्यालयों/सेवा भवनों, स्टेशन भवनों में स्थित सभी पारंपरिक सीलिंग पंखों को ऊर्जा कुशल बीएलडीसी पंखों से बदलने के संबंध में विद्युत सामान्य सेवा भाग का कार्य। **कार्य की लागतः** रू. 88,78,056.66/- **बोली प्रतिभूतिः** रू 1,77,600/- **कार्य पुरा करने की अवधिः** 09 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समयः** दि. 21/11/2025 को 15.00 बजे। बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई-पेमेंट द्वारा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर करना है।

व.मं.वि.इं. (सा), सोलापुर 70

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मध्य रेल
नागपुर शाखा
इंजिनीयरिंग विभाग
ई-निविदा सूचना

ई-खुली निविदा संख्या: मरेप्रकार्यनागपुर-76-2025
दिनांक 27/10/2025

1) कार्य का नामः एडीईएन (साऊथ) नागपुर और एडीईएन काटोल उप-डिवीजन के अंतर्गत शीत ऋतु में रात्रि गश्त के लिए सहयोगी की नियुक्ति का प्रस्ताव। **(i) अनुमानित लागत रु.: 6272306.04 (ii) बयाना राशी रु.: 125500.00 2) कार्य का नामः** डीईएन (उत्तर) नागपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एसएसई (पी. वे) काला आखर, एसएसई (पी. वे) घोड़ाडोंगरी, एसएसई (पी. वे) बैतूल, एसएसई (पी. वे) आमला, एसएसई (पी. वे) मुलताई, एसएसई (पी. वे) नरखेर और एसएसई (पी. वे) जुन्नोरदेव के तहत शीत मौसम रात्रि गश्त और मानसून गश्त के लिए सहयोगी की नियुक्ति का प्रस्ताव। **(i) अनुमानित लागत रु.: 13522842.46 (ii) बयाना राशी रु.: 217600.00** निविदा बंद होने की तिथि **18/11/2025 एवं समय 15.00** ई टेंडरिंग की विस्तृत जानकारी एवं-सूचना तथा ऑन लाइन भाग लेने हेतु रेल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखे।

मंरेप्र (का) 30

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मुंबई फरवरी में वैश्विक 'मुंबई जलवायु सप्ताह' की मेजबानी करेगा- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की घोषणा

तीस से अधिक देशों के शिक्षाविदों, पर्यावरण विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं सहित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को उजागर करने वाला एक वैश्विक सम्मेलन, मुंबई जलवायु सप्ताह, अगले वर्ष फरवरी में मुंबई में आयोजित किया जाएगा।

यह महत्वाकांक्षी पहल 'प्रोजेक्ट मुंबई' नामक संस्था की अवधारणा के माध्यम से क्रियान्वित की जा रही है और यह कार्यक्रम पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, महाराष्ट्र सरकार और बृहन्मुंबई नगर निगम के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मंत्रालय के समिति कक्ष में आयोजित एक बैठक में इस पहल की घोषणा की।

इस अवसर पर पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे, नगर आयुक्त भूषण गगरानी, ??विभागीय सचिव जयश्री भोज, प्रोजेक्ट मुंबई के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिशिर जोशी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने विश्वास व्यक्त किया कि विकासशील देशों में जलवायु परिवर्तन, खाद्य और ऊर्जा की कमी के संदर्भ में यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण होगी और विकास एवं पर्यावरणीय कार्रवाई के बीच संतुलन स्थापित करने में प्रभावी भूमिका निभाएगी।

मुंबई जलवायु सप्ताह का मुख्य आयोजन 17 से 19 फरवरी, 2026 तक मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस आयोजन में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शहर भर में विभिन्न प्रदर्शनियाँ, कार्यशालाएँ, फ़िल्में, कला, खेल, स्वास्थ्य और अध्यात्म से संबंधित गतिविधियाँ और क्लाइमेट फूड फेस्टिवल जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। इस सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण के 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे और इसमें एक व्यवहार्य जलवायु परिवर्तन कार्रवाई कार्यक्रम तैयार किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि यह कार्यक्रम राज्यों के मुख्यमंत्रियों, विभिन्न शहरों के प्रतिनिधियों, उद्योग, सामाजिक संगठनों, छात्रों और युवाओं की भागीदारी से तैयार किया जाएगा।

इस अवसर पर फडणवीस ने मुंबई जलवायु सप्ताह के लोगो का अनावरण किया। इस अवसर पर इस पहल का एक वीडियो भी दिखाया गया।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मुंबई जलवायु सप्ताह, कार्रवाई के साथ नेतृत्व करने के भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, मुंबई और महाराष्ट्र, वैश्विक दक्षिण के लिए एक समतापूर्ण, नवोन्मेषी और सु-वित्तपोषित जलवायु भविष्य को आकार देने में मदद के लिए तैयार हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह भी कहा कि मुंबई जलवायु सप्ताह, वैश्विक दक्षिण में जलवायु कार्रवाई और सहयोग के क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को प्रदर्शित करने का एक प्रमुख मंच होगा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पहली बार, 'मुंबई जलवायु सप्ताह' का आयोजन मुंबई में किया जा रहा है। अब कार्रवाई करने का समय आ गया है।

इसके लिए हमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक व्यवसाय और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के विरुद्ध अभियान में शामिल करना होगा। हमें उन्हें यह भी दिखाना होगा कि कार्रवाई के माध्यम से परिवर्तनों को कैसे कम किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि 'मुंबई जलवायु सप्ताह' कार्यक्रम के आयोजन के बाद, हमें महाराष्ट्र और मुंबई के लिए मानक भी स्थापित करने होंगे और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में कार्रवाई के लिए कुछ लक्ष्य निर्धारित करने होंगे। आइए, इसके लिए आज से ही कार्रवाई शुरू करें।

उन्होंने आगे कहा कि तीस से अधिक देशों के शिक्षाविद, पर्यावरण विशेषज्ञ और नीति निर्माता जलवायु परिवर्तन के व्यापक और व्यवहार्य समाधान खोजने के लिए मुंबई जलवायु सप्ताह के मंच पर एक साथ आएंगे। यह पहल वैश्विक स्तर पर भारत और विकासशील देशों की आवाज़ उठाने में भी मदद करेगी।मुंबई जलवायु सप्ताह तीन प्रमुख विषयों पर केंद्रित होगाः खाद्य प्रणालियाँ, ऊर्जा परिवर्तन और शहरी लचीलापन। इन विषयों पर न्याय, नवाचार और वित्तीय दृष्टिकोण से गहराई से विचार किया जाएगा।

प्रोजेक्ट मुंबई के संस्थापक और सीईओ शिशिर जोशी ने इस आयोजन की जानकारी देते हुए कहा, 'मुंबई जलवायु सप्ताह महाराष्ट्र और भारत के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। इस सम्मेलन में विचार-मंथन सत्र के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जनभागीदारी पर आधारित स्थायी और समावेशी समाधान सामने आएंगे।'

इस पहल के लिए नॉलेज पार्टनर मॉनिटर डेलॉइट होगा, और क्लाइमेट ग्रुप, इंडिया क्लाइमेट कोलैबोरेटिव, वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (इंडिया), एवरसोर्स, एचटी पारेख फाउंडेशन, यूनिसेफ, शक्ति फाउंडेशन, रेनमैटर फाउंडेशन, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट और राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे संगठन इसमें भाग लेंगे।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव अश्विनी भिडे, सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी, मुख्यमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार कौस्तुभ धावसे, प्रोजेक्ट मुंबई सलाहकार बोर्ड के सदस्य रिधम देसाई, जलज दानी आदि उपस्थित थे।

पुणे में नैन्सी होम परियोजना

संभागीय आयुक्त तुरंत दौरा करें और रिपोर्ट प्रस्तुत करें-सभापति प्रो. राम शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे में नैन्सी लेक होम परियोजना को 2004 से अब तक लगभग 10 बार संशोधन के लिए मंजूरी दी जा चुकी है और पहली बार यह देखा गया है कि गाँव के नक्शे और गणना मानचित्र में सर्वेक्षण संख्या 8 और 9 के स्थान बदल दिए गए हैं। इस संबंध में, पुणे के संभागीय आयुक्त सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ, स्थल का दौरा करें और गहन जाँच करके 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें, महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे ने निर्देश दिया।

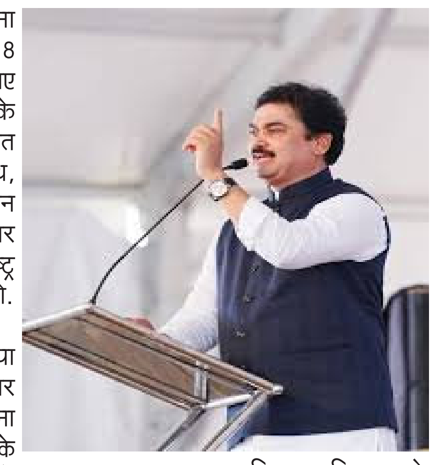

नैन्सी लेक होम सर्वेक्षण संख्या 8, कटराज, पुणे में डेवलपर द्वारा अवैध निर्माण परियोजना के संबंध में प्राप्त शिकायत के संबंध में विधान भवन, मुंबई में अध्यक्ष राम शिंदे की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। वे इस अवसर पर बोल रहे थे। इस परियोजना के संबंध में, पुणे के जिला कलेक्टर ने गैर-कृषि आदेश में 37,973.20 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्माण की अनुमति दी है, लेकिन वास्तव में 60,630.59 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्माण कार्य किया गया है और मानचित्र में बार-बार परिवर्तन के क्या कारण हैं? संबंधित अधिकारी द्वारा इस संबंध में संतोषजनक स्पष्टीकरण न दिए जाने पर, अध्यक्ष प्रो. राम शिंदे ने पुणे के संभागीय आयुक्त को स्थल का दौरा कर मामले की जाँच करने और 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर विधान सचिवालय के सचिव (4) शिवदर्शन साठ्ये, उप सचिव मोहन काकड़, नगर विकास विभाग की संयुक्त सचिव प्रियंका चापवाले, पुणे नगर निगम के कार्यपालक अभियंता रमेश काकड़े, उप अभियंता रूपाली ढगे, सहायक विधि अधिकारी नीलेश बडगुजर, नगर सर्वेक्षण अधिकारी बालासाहेब भोसले उपस्थित थे।

आवश्यकतानुसार नई आँगनवाड़ी शुरू करने के निर्देशः महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

जिन क्षेत्रों में जनसंख्या के अनुसार आँगनवाड़ी केंद्रों की आवश्यकता है, वहाँ नए आँगनवाड़ी केंद्र शुरू किए जाएँ। साथ ही, महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने सहायिकाओं और कार्यकर्ताओं की नियुक्ति के संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

150 दिवसीय कार्यों की समीक्षा, आँगनवाड़ी पर्यवेक्षकों की पदोन्नति, अहिल्या भवन निर्माण हेतु भूमि निर्धारण और बाल देखभाल योजनाओं की समीक्षा हेतु मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। मंत्री अदिति तटकरे बैठक में बोल रही थीं। बैठक में विभाग के सचिव डॉ. अनूपकुमार यादव, आयुक्त कैलाश पगारे, संयुक्त सचिव वी.आर. ठाकुर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री अदिति तटकरे ने जिला योजना एवं विकास समिति के कोष से पुणे में अहिल्या भवन या महिला छात्रावास के निर्माण हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाल संगोपन योजना की भी समीक्षा की।

जिन आंगनवाड़ियों में छात्र संख्या ज़्यादा है, लेकिन सहायिकाओं और कार्यकर्ताओं की संख्या कम है, वहाँ कार्यकर्ताओं की पुनः नियुक्ति की जाए। जिन आंगनवाड़ियों में छात्र संख्या कम है, वहाँ सर्वेक्षण करके पता लगाया जाए कि कहाँ नई आंगनवाड़ियों की ज़रूरत है और उसके अनुसार उस क्षेत्र में आंगनवाड़ियों, सहायिकाओं और कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की जाए। साथ ही, मंत्री अदिति तटकरे ने ग्रामीण विकास विभाग से पर्यवेक्षकों और ज़िला पर्यवेक्षकों को महिला एवं बाल विकास विभाग में स्थानांतरित करने के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

केवनाले क्षेत्र में पुनर्वासित लोगों के लिए आवास हेतु जिला कलेक्टर द्वारा धनराशि बढ़ाने के संबंध में बैठक- राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव-पाटिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पोलादपुर तालुका के मौजे केवनाले गाँव (रायगढ़ जिला) के स्थायी पुनर्वास हेतु भूमि अधिग्रहण किया गया है। सरकार ने इस भूमि पर घर बनाने हेतु प्रत्येक घर के लिए 2.30 लाख रुपये की धनराशि प्रदान की है। हालाँकि, इस गाँव के नागरिकों ने आवास निर्माण हेतु अतिरिक्त धनराशि की माँग की है। विभिन्न कंपनियों के सामाजिक उत्तरदायित्व निधि से यह अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराने के लिए, रायगढ़ जिला कलेक्टर संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ अपने स्तर पर एक बैठक आयोजित करें, राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव-पाटिल ने निर्देश दिया।

पोलादपुर तालुका (रायगढ़ जिला) केवनाले गाँव के स्थायी पुनर्वास के संबंध में राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव-पाटिल की अध्यक्षता में मंत्रालय में एक

बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद सुनील तटकरे, आपदा प्रबंधन विभाग के निदेशक डॉ. भालचंद्र चव्हाण, राहत एवं पुनर्वास विभाग के संयुक्त सचिव संजय इंगले आदि उपस्थित थे।

राहत एवं पुनर्वास मंत्री श्री जाधव-पाटिल ने कहा कि केवनाले के परिवार को निजी स्वामित्व वाली भूमि पर अस्थायी रूप से बसाया गया है और बिजली, पानी, शौचालय आदि सुविधाओं के लिए धनराशि वितरित की गई है। इन नागरिकों के स्थायी पुनर्वास के लिए भूमि अधिग्रहण किया गया है। नागरिकों ने मांग की है कि उन्हें इरशालवाड़ी और तलिये के नागरिकों को दिए गए घरों की तरह घर दिए जाएँ। उन्होंने निर्देश दिया कि इसके लिए विभिन्न कंपनियों के सामाजिक उत्तरदायित्व निधि से अधिक धनराशि प्राप्त करने के लिए एक बैठक आयोजित की जाए।

राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव-पाटिल ने यह भी बताया कि केवनाले गाँवों के नागरिकों के लिए आवास निर्माण हेतु प्रत्येक घर के लिए 2.30 लाख रुपये की राशि राज्य आवास प्रबंधन प्रकोष्ठ ग्रामीण आवास के बजाय जिला आपदा प्रबंधन समिति के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को प्रदान करने हेतु स्वीकृत की गई है और यह राशि रायगढ़ के जिला कलेक्टर के माध्यम से संबंधित तहसीलदारों को हस्तांतरित कर दी गई है।

पूर्व विधायक राजन पाटील, यशवंत माने ने भाजपा में प्रवेश किया

पूर्व विधायक बबनदादा शिंदे के बेटे रणजीतसिंह भी भाजपा में शामिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सोलापुर ज़िले की मोहोल तहसील से अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक और सहकार परिषद के अध्यक्ष राजन पाटील, पूर्व विधायक यशवंत माने, मोहोल के शिवसेना नेता नागनाथ क्षीरसागर, और माढा के पूर्व विधायक बबनदादा शिंदे के बेटे रणजीतसिंह शिंदे ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ बुधवार को भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश किया। इसके अलावा, सतारा ज़िले की माण खटाव तहसील से अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कई पदाधिकारी और नेताओं के साथ-साथ मराठवाड़ा की शिक्षक संगठन के नेताओं ने भी भाजपा का दामन थामा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने इन सभी का स्वागत किया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुए इस पार्टी प्रवेश कार्यक्रम में ग्राम विकास मंत्री एवं सोलापुर के पालक मंत्री जयकुमार गोरे, अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण मंत्री अतुल सावे, प्रदेश महासचिव आ. संजय केनेकर, आ. अनुराधा चव्हाण, आ. सचिन कल्याणशेट्टी, भाजपा सोलापुर पूर्व के ज़िलाध्यक्ष शशिकांत चव्हाण, भाजयुमो के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व आ. राम सातपुते, चेतनसिंह केदार सावंत, प्रदेश मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री चव्हाण ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मज़बूत नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए और विकास के लिए आज इन सभी ने भाजपा में प्रवेश किया है। उन्होंने कहा कि सभी ने राष्ट्रीयता की भावना से आज पार्टी में प्रवेश किया है। भाजपा परिवार में सभी का स्वागत है और हम सभी को एकजुट होकर केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं को ज़मीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए काम करना है।

मंत्री जयकुमार गोरे ने कहा कि, सोलापुर ज़िले की राजनीति में बड़ी ताक़त रखने वाले नेताओं ने क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा में प्रवेश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में देश और राज्य का विकास ऊँचाई पर पहुँच रहा है। श्री गोरे ने आश्वासन दिया कि पार्टी पूरी ताक़त से सभी के साथ खड़ी रहेगी और हर किसी का सम्मान रखा जाएगा।

राजन पाटील ने कहा कि, मोहोल तहसील का स्वाभिमान गिरवी न रखा जाए, इसलिए हम भाजपा में प्रवेश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री फडणवीस का नेतृत्व और अधिक मज़बूत करने के लिए हम दिन-रात काम करेंगे। रणजीतसिंह शिंदे ने कहा कि, आगामी चुनाव में भाजपा की जीत के लिए पूरी लगन से काम करना है। उन्होंने यह भी कहा कि विकसित भारत और विकसित महाराष्ट्र के सपने को साकार करने के लिए सभी के सहयोग से काम करेंगे। रणजीतसिंह शिंदे के भाई पंचायत समिति के पूर्व सभापति विक्रम शिंदे, ज़िला परिषद के पूर्व सभापति शिवाजी कांबळे, राष्ट्रवादी कांग्रेस के तालुका अध्यक्ष कैलास तोडकर, रमेश पाटील, ज़िला परिषद के पूर्व सदस्य शिवाजी पाटील, तुकाराम ढवळे, शंभुराजे मोरे आदि ने भी भाजपा में प्रवेश किया।

मोहोल तहसील से भाजपा में शामिल होने वालों में सोलापुर ज़िला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष विक्रांत पाटील, राष्ट्रवादी कांग्रेस विद्यार्थी संगठन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजिंक्यराणा पाटील, मोहोल के तालुका अध्यक्ष प्रकाश चवरे, दीपक माळी, सोलापुर ज़िला कार्याध्यक्ष अस्लम चौधरी, सोलापुर ज़िला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के निदेशक भारत सुतकर, मोहोळ कृषि उपज बाज़ार समिति के सभापति धनाजी गावडे, कृ.उ.बा.स. के उपसभापति प्रशांत बचुटे, ज़िला परिषद के पूर्व सभापति जालिंदर भाऊ लांडे आदि शामिल हैं।

वडूज के पूर्व नगर अध्यक्ष गोडसे ने भी प्रवेश किया

खटाव तहसील से राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के अध्यक्ष नंदकुमार मोरे, पंचायत समिति के पूर्व सभापति बलवंतराव माने, पूर्व सदस्य मोहनराव बुधे, पं. स. के पूर्व उपसभापति हिराचंद पवार आदि शामिल हैं। साथ ही, माण तहसील से शरद पवार गुट के अध्यक्ष बालासाहेब सावंत ने भी भाजपा में प्रवेश किया। वडूज नगर पंचायत के पूर्व नगर अध्यक्ष सुनील गोडसे, पूर्व उपनगर अध्यक्ष मनोज कुंभार, मार्केट कमेटी के पूर्व निदेशक काकासाहेब मोटे, दहिवडी नगर पंचायत के नगर सेवक महेश जाधव, दत्तात्रेय अवघडे, नगरसेविका मोनिका गुंडगे, निमसोड ग्राम पंचायत के सरपंच सुनील मोटे ने भी भाजपा में प्रवेश किया।

सेवानिवृत्त शिक्षा अधिकारी एम. के. देशमुख ने भी प्रवेश किया

छत्रपति संभाजीनगर के सेवानिवृत्त शिक्षा अधिकारी एम. के. देशमुख, सेवानिवृत्त उप-निदेशक भाऊसाहेब तुपे पाटील, जालना के पूर्व शिक्षा अधिकारी रमेश पाटील, हिंगोली के पूर्व शिक्षा अधिकारी शिवाजी पाटील, नांदेड़ के पूर्व उप-शिक्षा अधिकारी व्यंकटेश कोमटवार, शिक्षक क्रांति संगठन के संस्थापक अध्यक्ष मनोज पाटील ने भी भाजपा में प्रवेश किया। इस अवसर पर श्री देशमुख ने विश्वास जताया कि वे संभाजीनगर स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से इस बार भाजपा के उम्मीदवार को जिताएंगे।

भुसावल मंडल रेल प्रबंधक ने भुसावल-वलगांव खंड का निरीक्षण किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिनांक 29 अक्टूबर 2025 को भुसावल मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल तथा वरिष्ठ शाखा अधिकारियों ने भुसावल-वलगांव खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेल पथ, ओएचई, सिग्नलिंग, लेवल क्रॉसिंग तथा सुरक्षा संबंधी पहलुओं की गहन समीक्षा की। इस निरीक्षण का उद्देश्य रेल संचालन की गति, सुरक्षा एवं कार्यक्षमता सुनिश्चित करना था।

मंडल रेल प्रबंधक ने आरपीएलडब्ल्यू साइडिंग, वलगांव में विस्तृत निरीक्षण किया तथा साइडिंग अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में चल रहे कार्यों की प्रगति, लंबित मामलों के समाधान एवं माल परिवहन कार्य को अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर चर्चा की गई।

मंडल रेल प्रबंधक ने न्यू अमरावती स्टेशन का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यात्री सुविधाओं, स्टेशन प्रबंधक कार्यालय, स्टेशन स्वच्छता, सर्कुलेटिंग एरिया तथा नव निर्मित पैदल उपरी पुल की समीक्षा की गई। यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव एवं सुविधाएं प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया।

इसके बाद मंडल रेल प्रबंधक ने बडनेरा स्टेशन का निरीक्षण किया और अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्य समय पर पूर्ण हों तथा स्टेशन पर आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

मंडल रेल प्रबंधक ने वॅगन रिपेयर वर्कशॉप, बडनेरा का भी दौरा किया और वहां की वॅगन मरम्मत, रखरखाव प्रणाली, सुरक्षा मानक एवं कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए अपनाई जा रही प्रक्रियाओं की समीक्षा की।

इस निरीक्षण के दौरान मंडल के वरिष्ठ शाखा अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

नासिक में एसयूवी के पलटने से तीन लोगों की मौत, चार घायल

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक एसयूवी के पलट जाने से उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि गुजरात में पंजीकृत एसयूवी मंगलवार रात करीब 11 बजे येओला तालुका में नासिक-छत्रपति संभाजीनगर राजमार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अधिकारी ने बताया कि रायते और एरंडगांव शिवार की सीमा पर

साईं पूजा होटल के पास एक दोपहिया वाहन को बचाने की कोशिश में एसयूवी चला रहे व्यक्ति ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

एसयूवी सड़क के डिवाइडर से टकराकर पलट गई। पुलिस ने बताया कि एसयूवी में सवार सात लोगों में से दो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों में से एक की बाद में नासिक के जिला अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि एसयूवी में सवार सभी लोग पड़ोसी राज्य गुजरात में सूरत के निवासी हैं। घायलों की हालत गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

सम्पादकीय

मिलेनियल्स लिखेंगे बिहार की तकदीर

बिहार विधानसभा की चौसर बिछ चुकी है तो चुनावों में हिस्सा ले रहे राजनीतिक दलों और बिहार विधानसभा के चुनावों में उम्मीद्वारों की तस्वीर भी लगभग सामने आ गई है। सौ टके का सवाल अब यह उभर रहा है कि बिहार के वोटर्स एनडीए की सरकार को ही दुबारा चुनेंगे या महागठबंधन को अवसर देंगे। देश में पिछले सालों में हुए चुनावों चाहे वह विधानसभाओं के चुनाव हो या फिर लोकसभा के चुनाव, महिलाओं और फ्लोटिंग वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बिहार विधानसभा के पिछले चुनावों में नीतीश सरकार बनाने में महिला वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है। इस बार भी महिला मतदाताओं की भूमिका को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। पर जो खासबात उभर कर आ रही है वह यह है कि बिहार विधानसभा के चुनावों में नई सरकार की तकदीर लिखने में मिलेनियल्स की खास भूमिका रहेगी। चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची के अनुसार फ्लोटिंग वोटर्स यानी की पहली बार वोट करने वाले वोटर्स चुनाव नतीजों को प्रभावित नहीं कर पायेंगे। इसका कारण भी साफ है और वह यह कि फ्लोटिंग वोटर्स दो प्रतिषत से भी कम है। बिहार के 7 करोड़ 41 हजार से अधिक वोटर्स में से फ्लोटिंग वोटर्स केवल मात्र 14 लाख एक हजार से कुछ ही अधिक है। सर्वाधिक मतदाता मिलेनियल्स यानी कि 1 करोड़ 92 लाख 74 हजार से अधिक है। मिलेनियल्स या जेन वाई वह पीढ़ी है जिसने बदलती तकनीक के साथ साथ जीवन आरंभ किया है। 30 से 39 साल की यह पीढ़ी डिजिटल दुनिया के विकास के साथ साथ आगे बढ़ी है। इसीलिए इसका खास महत्व हो जाता है।

दरअसल विलियम स्ट्रास और नील होवे की 1991 में प्रकाशित पुस्तक जेनरेशंस में जेनरेशन वाई का पहलीबार प्रयोग हुआ। 1981 से 1996 तक की इस पीढ़ी का विकास तकनीक के विकास के साथ साथ हुआ है। एक तरह से डिजिटल दुनिया का यह संक्रमण काल माना जा सकता है तो देश दुनिया में आर्थिक उदारीकरण का दौर भी लगभग इसी दौरान रहा है। आर्थिक जगत में तेजी से आ रहे बदलाव को इसी पीढ़ी ने अधिक नजदीक से जाना और समझा है। कारण भी साफ है कि आज की कामकाजी आबादी में सबसे अधिक संख्या जेनरेशन मिलेनियल्स ही है। डिजिटल युग का विकास इसी दौर में आगे बढ़ा है तो आर्थिक सुधार और सामाजिक आर्थिक बदलावों से भी यही पीढ़ी अधिक प्रभावित हुई है। इस मायने में देखे तो तकनीक के विकास के इस संक्रमण काल की पीढ़ी हालातों से अधिक रुबरु हुई है। जब से इस पीढ़ी ने हौश संभाला है। यह वो पीढ़ी है जो इंटरनेट, मोबाइल और सोषल मीडिया के साथ साथ बड़ी हुई है।

साफ है कि इस पीढ़ी की राजनीतिक समझ भी अधिक है। वर्तमान हालातों से नजदीक से रुबरु होने के कारण इस पीढ़ी की समझ निश्चित रुप से आज के बिहार के चुनावों को प्रभावित करेगी। हांलाकि आज यह पीढ़ी राजनीतिक मुफ्तखोरी की घोषणाओं के खिलाफ दबी जुवान से ही सही आवाज उठाने लगी है तो इस पीढ़ी की समझ अंडर करंट जैसी होने से यह पीढ़ी बिहार के चुनाव नतीजों को प्रभावित करने में खास भूमिका निभायेगी। हालांकि मोदी के बाद से चुनावों के दौर में फ्लोटिंग वोटर्स यानी की पहलबार मतदान करने वाले किशोर और जेनरेशन जेड़ की मोदी सरकार बनाने में बड़ी भूमिका रही है। माना जाता है कि जेनरेशन जेड़ और फ्लोटिंग वोटर्स में मोदी का क्रेज लगातार देखा जा रहा है।

पर वर्तमान हालातों में जेन वाई की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। यह साफ हो जाना चाहिए कि बिहार विधानसभा के चुनावों के लिए जारी वोटर्स की अंतिम लिस्ट में सर्वाधिक वोटर्स जेन वाई यानी मिलेनियल्स ही हैं और इनकी ताकत और समझ को कम करके नहीं आका जा सकता। यह पीढ़ी हालातों से अधिक नजदीक से रुबरु हुई है। ऐसे में साफ हो जाना चाहिए कि वैसे तो 14 नवंबर को आने वाले रिजल्ट से ही स्पष्ट हो सकेगा कि किसकी सरकार बनती है और कौनसी पीढ़ी या कौनसे फैक्टर्स चुनाव नतीजों को अधिक प्रभावित कर पाते हैं पर इससे दो राय नहीं कि बिहार विधानसभा चुनावों में मिलेनियल्स की भूमिका अहम रहेगी।

धुएं में घिरा आसमान, पर जंगलों से आई उम्मीद–वन विस्तार में भारत नौवें स्थान पर

दीपावली के बाद देशव्यापी वायु प्रदूषण ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दूसरी ओर सुखद यह है कि भारत अब वन विस्तार में नई उपलब्धि के साथ नौवें स्थान पर आ गया है। पिछले वर्ष यह दसवें पायदान पर था। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एएफओ) के एक सर्वे ने भारत में वन क्षेत्र में वृद्धि की जानकारी दी है। वैश्विक पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से भारत के लिए यह उपलब्धि मील का पत्थर है, क्योंकि देश औद्योगिक, नवीकरणीय ऊर्जा और ढांचागत विकास में निरंतर प्रगति कर रहा है।

ऐसे में नौवें स्थान पर आना सतत् वन प्रबंधन और पारिस्थितिकी संरक्षण में संतुलन को दर्शाता है। एएफओ का सर्वे यह बताता है कि दुनिया का कुल वन क्षेत्र 414 करोड़ हेक्टेयर है। वनों का दायरा पृथ्वी की बत्तीस फीसद भूमि को अच्छादित करता है। इसका आधे से ज्यादा चौवन फीसद भू-भाग केवल पांच देशों, रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका और चीन में है। इस तरह भारत अब आस्ट्रेलिया कांगो और इंडोनेशिया के बाद दुनिया के शीर्ष नौ वन-समृद्ध देशों में शामिल हो गया है।

पेड़ों की अस्मिता पर ही मनुष्य व अन्य प्राणियों का जीवन टिका है। पेड़ एक ऐसी प्राकृतिक संपदा है, जिसका यदि विनाश होता है, तो मनुष्य का सुखद जीवन संभव नहीं रह जाएगा। जब से मानव सभ्यता के विकास का क्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक वृक्षों की संख्या में छियालीस फीसद की कमी आई है। पेड़ों की गिनती के अब तक के सबसे समग्र वैश्विक अभियान में दुनिया भर के वैज्ञानिक समूहों ने यह निष्कर्ष निकाला है।

पेड़ नहीं हम अपनी जड़ काट रहे हैं, जंगल खत्म कर सोसाइटी खड़ी करेंगे तो कल जिएगा

कौनष्ठक्या इतना आसान सौदा है जिंदगी?

इस अध्ययन का आकलन है कि विश्व में तीन लाख करोड़ वृक्ष हैं। यानी मोटे तौर पर प्रति व्यक्ति 422 पेड़ हैं। हालांकि यह आंकड़ा पूर्व में आकलित अनुमानों से साढ़े सात गुना ज्यादा बताया गया है। दरअसल, पहले के वैश्विक आकलनों ने बताया था कि दुनिया भर में महज 400 अरब पेड़ हैं। प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या इकसठ है। यह आकलन व्यक्ति आधारित था, इसलिए इसकी प्रामाणिकता पर संदेह था। दुनिया में अभी भी ऐसे दुर्गम स्थानों पर जंगलों का विस्तार है, जहां सर्वेक्षण में लगे मानव-समूहों का पहुंचना और सर्वेक्षण करना आसान नहीं है। क्योंकि इन जंगलों में एक तो अभी भी रास्ते नहीं हैं, दूसरे, खतरनाक वन्य-जीवों की मौजदूगी है।

पेड़ों की गिनती उपग्रह द्वारा ली गई छवियों से की गई है। इस गणना को तकनीक की भाषा में 'सेटेलाइट इमेजरी' कहते हैं। इस तकनीक से पूरा सर्वेक्षण वन-प्रांतरों में लिया गया है। इसमें जमीनी स्तर पर कोई आंकड़े नहीं जुटाए गए हैं। इस अध्ययन की विस्तृत रपट प्रतिष्ठित पत्रिका 'नेचर' में छपी है।

इसके मुताबिक पेड़ों की उच्च सघनता रूस, स्कैंडीनेशिया और उत्तरी अमेरिका के उप आर्कटिक क्षेत्रों में पाई गई है। इन घने वनों में दुनिया के चौबीस फीसद पेड़ हैं। पृथ्वी पर विद्यमान करीब 1.4 लाख करोड़ पेड़ उष्ण कटिबंधीय वनों में हैं। इन वनों का चिंताजनक पहलू यह भी है कि वनों या पेड़ों की घटती दर भी इन्हीं जंगलों में सबसे ज्यादा है। इस अध्ययन की प्रामाणिकता इसलिए असंदिग्ध है, क्योंकि इसे बेहद गंभीरता से किया गया है। इसके लिए पंद्रह देशों के वैज्ञानिक समूह बने। इन समूहों ने उपग्रह चित्रों से वन क्षेत्र का आकलन प्रति वर्ग किलोमीटर में मौजूद पेड़ों की संख्या का मानचित्रीकरण में सुपर कंप्यूटर तकनीक का इस्तेमाल किया।

इस गिनती में दुनिया के सभी सघन वनों की संख्या चार लाख से भी अधिक है। दुनिया के ज्यादातर वन क्षेत्रों में हुए अध्ययनों को भी तुलना के लिए जगह दी गई। उपग्रह चित्रों के इस्तेमाल से पेड़ों के आकलन के साथ स्थानीय जलवायु, भौगोलिक स्थिति, पेड़-पौधे, मिट्टी की दशा पर मानव के प्रभाव को भी आधार बनाया गया। इससे जो निष्कर्ष निकले, उनसे तय हुआ कि मानवीय हलचल और उसके जंगलों में हस्तक्षेप से पेड़ों की संख्या में गिरावट की दर से सीधा संबंध है।

जिन वन-क्षेत्रों में मनुष्यों की आबादी बढ़ी है, उन क्षेत्रों में पेड़ों का घनत्व तेजी से घटा है। वनों की कटाई, भूमि के उपयोग में बदलाव और मानवीय गतिविधियों के कारण हर वर्ष दुनिया में पंद्रह अरब पेड़ कम हो रहे हैं। जिस तरह से भारत समेत पूरी दुनिया में औद्योगीकरण तथा शहरीकरण बढ़ रहा है और बड़े बांध एवं चार व छह पंक्तियों के राजमार्गों की संरचनाएं बनाई जा रही हैं, उससे भी जंगल खत्म हो रहे हैं।

ऐसे समय जब दुनिया भर के पर्यावरणविद् और वैज्ञानिक जलवायु संकट के दिनोंदिन और गहराते जाने की चेतावनी दे रहे हैं, पर्यावरण संरक्षण में सबसे ज्यादा मददगार वनों का सिमटना या पेड़ों का घटना वैश्विक होती दुनिया के लिए चिंता का विषय है। विकास के नाम पर जंगलों के सफाए में तेजी आर्थिक उदारवाद के बाद आई है। पिछले पंद्रह वर्षों में ब्राजील में सत्रह हजार, म्यामां में आठ, इंडोनेशिया में बारह, मैक्सिको में सात, कोलंबिया में 6.5, जैरे में चार और भारत में चार हजार प्रति वर्ग किलोमीटर के हिसाब से वन खत्म हो रहे हैं। यानी एक साल में 170 लाख हेक्टेयर की गति से वन लुप्त हो रहे हैं। यदि यही रफ्तार रही, तो जंगलों के चार से आठ फीसद क्षेत्र, 2030 तक लुप्त हो जाएंगे। वर्ष 2040 तक सत्रह से पैंतीस फीसद सघन वन मिट जाएंगे। इस समय तक इतनी विकराल स्थिति उत्पन्न हो जाएगी कि दुर्लभ पेड़ों की प्रजातियां प्रति दिन नष्ट होने लग जाएंगी।

वृक्षों का संरक्षण इसलिए जरूरी है, क्योंकि वृक्ष जीव-जगत के लिए जीवन-तत्त्वों का सृजन करते हैं। वायु एवं जल-प्रदूषण और भू-क्षरण न हो, यह पेड़ों की अधिकता से ही संभव है। वर्षा चक्र की नियमित निरंतरता पेड़ों पर ही निर्भर है। पेड़ मनुष्य जीवन के लिए कितने उपयोगी हैं, इसका वैज्ञानिक आकलन भारतीय अनुसंधान परिषद ने किया है। इस आकलन के अनुसार, उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में पर्यावरण के लिहाज से एक हेक्टेयर वन क्षेत्र से 1.41 लाख रुपए का लाभ होता है।

इसके साथ ही पचास वर्ष में कुछ खास प्रजाति के वृक्ष करीब पंद्रह लाख की लागत का प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष लाभ देते हैं। भारतीय जनजीवन का प्रकृति से गहरा आत्मीय संबंध है, लेकिन आधुनिक विकास और पैसा कमाने की होड़ ने संरक्षण के इन उपायों को लगभग ठुकरा दिया है। पेड़ों के महत्त्व का तुलनात्मक आकलन अब शीतलता पहुंचाने वाले विद्युत उपकरणों से भी किया जा रहा है। एक स्वस्थ वृक्ष जो ठंडक देता है, वह दस कमरों में लगे वातानुकूलित यंत्रों के लगातार बीस घंटे चलने के बराबर होती है।

घरों के आसपास पेड़ लगे हों, तो वातानुकूलन की जरूरत तीस फीसद घट जाती है। इससे बीस से तीस फीसद तक बिजली की बचत होती है। एक एकड़ क्षेत्र में लगे वन चार टन आक्सीजन उत्पन्न करते हैं जो अठारह व्यक्तियों की वार्षिक जरूरत के बराबर होती है। फिर भी हम प्रकृति से निरंतर दूरी बनाते जा रहे हैं। तय है, वैश्विक रपट में पेड़ों के नष्ट होते जाने की जो भयावहता सामने आई है, उसकी प्रतिच्छाया में भारत में वन-आच्छादित क्षेत्र में वृद्धि देश की जनता के लिए सुखद अनुभूति का संकेत है।

जीवन में सुख और दुख का आपस में है गहरा संबंध, हमें शाश्वत आनंद का मार्ग दिखाती है आत्मिक सत्य की प्राप्ति

मनुष्य अपने जीवन में हमेशा सुख की खोज में लगा रहता है। दुख को वह अपने करीब लाना नहीं चाहता और यह स्वाभाविक है। लोग आशीर्वाद स्वरूप सुखी होने की ही कामना करते हैं। सुखी जीवन की तलाश पूरे समय चलती रहती है। उसके बाद भी सुख की प्रतिच्छाया दिखाई नहीं देती। मनुष्य का दुख से बचना यही दर्शाता है कि वह चुनौतियों को स्वीकार नहीं करना चाहता। दरअसल, दुखी नहीं होने की इच्छा करना और उसके लिए प्रयास करना एक बात है और दुख से बचना दूसरी बात। चुनौतियों से पलायन एक ऐसी मानसिक दशा है, जिसका कोई सार नहीं है। विपत्तियां इंसान को तराशने का काम करती हैं, यह हमें नहीं भूलना चाहिए।

जीवन में सुख और दुख का आपस में गहरा संबंध है। अधिकतर लोग जीवन में सुख चाहते हैं और दुख से बचना चाहते हैं, पर वास्तविकता यह है कि सुख और दुख दोनों ही जीवन के अभिन्न अंग हैं। दुख के बिना सुख का मूल्य नहीं समझा जा सकता और सुख के बिना दुख असह्य हो जाता है। ये दोनों अनुभव हमें जीवन में सीख देते हैं और हमें मजबूत बनाते हैं। यही इनकी विशेषता है और यही हमें जीवन की गहराई को समझने में मदद करता है। जबकि आत्मिक सत्य की प्राप्ति हमें शाश्वत आनंद का मार्ग दिखाती है। इसका अर्थ है सुख-दुख के द्वंद्व से परे ऐसी आंतरिक अवस्था पाना, जहां शाश्वत शांति और आनंद का अनुभव हो। यह आनंद बाहरी कारणों पर नहीं, बल्कि आत्मा की पवित्रता, तत्त्व की शुद्धता और आत्मिक स्थिरता पर आधारित होता है।

सुख और दुख भी आंतरिक द्वंद्व हैं। ये मानव जीवन के दो मूलभूत अनुभव हैं, जैसे सिक्के के दो पहलू। हमारे आत्मिक सत्य की गहराई को समझने और जानने के लिए सुख-दुख के अनुभवों को समझना आवश्यक है, क्योंकि ये आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। जीवन में सुख वह अवस्था है, जिसमें मन संतोष, आनंद और शांति का अनुभव करता है। यह किसी भौतिक वस्तु की प्राप्ति, इच्छा की पूर्ति या किसी सकारात्मक घटना के कारण उत्पन्न होता है। ऐसा सुख प्रायः क्षणिक होता है क्योंकि यह बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसी प्रकार दुख वह अवस्था है जिसमें मन पीड़ा, शोक, असंतोष या निराशा का अनुभव करता है। यह किसी वस्तु के खो जाने, इच्छा अधूरी रह जाने या किसी नकारात्मक घटना के कारण उत्पन्न होता है। दुख भी सुख की तरह क्षणिक होता है और बाहरी कारणों पर आधारित होता है।

देखा जाए, तो सुख-दुख दोनों ही एक-दूसरे के पूरक हैं। तेज चिलचिलाती धूप के बाद किसी ठंडे स्थान पर आने के बाद ही हमें पता चलता है कि गर्मी के बाद मिली ठंडक कितना सुकून देती है। इसी तरह, सघन अंधेरी लंबी रात गुजारने के बाद जब सुबह की आहट होती है, तो बेचैन मन को कितनी तसल्ली मिलती है? हानि की गहन निराशा के बीच लाभ की एक छोटी-सी किरण भी किसी निष्प्राण व्यक्ति के भीतर प्राणों का संचार कर सकती है, इसे कौन समझ सकता है? लंबे समय तक दुख सहने के बाद प्राप्त होने वाले सुख का आनंद ही कुछ और है।

इसलिए दुख है, तो यह नहीं समझना चाहिए कि सुख आएगा ही नहीं। अगर सुखमय जीवन जी रहे हैं, तो दुखमय जीवन की भी कल्पना कर लेना चाहिए, क्योंकि ये जीवन के दो पहलू हैं। एक के बाद एक का आना लगा ही रहता है। मनुष्य का स्वभाव ही आनंदस्वरूप और सत्यस्वरूप है। इस प्रकार आनंद और आत्मिक सत्य मानव के आंतरिक स्वभाव तथा उसकी पहचान से जुड़ा हुआ है। आत्मिक सत्य शाश्वत आनंद का शाश्वत मार्ग है। जब इसे भीतर से जाना और अनुभव किया जाता है, तभी जीवन सत्य धर्म और शुद्ध धर्म का अनुसरण करता है, जहां आत्मा का हर्षोल्लास शाश्वत रूप से बना रहता है।

आत्मिक सत्य को पहचानने का अर्थ है अपनी सच्ची पहचान को अपने भीतर आत्मसात कर लेना। हमारा शरीर, मन या भावनाएं नहीं हैं, बल्कि एक शाश्वत, अपरिवर्तनशील आत्मा हैं। और आत्मा परमात्मा का ही अंश है, जो पूरी तरह से आनंदस्वरूप है। सत् का अर्थ ही है अस्तित्व और चित् का अर्थ है चेतना। आनंद का अर्थ है आत्मा का हर्षोल्लास। यही है आत्मिक सत्य की अनुभूति-सत्-चित्-आनंद। ये सब हमें प्राप्त हो सकता है आंतरिक साधना से। इसके लिए बाहरी साधनाओं की कतई आवश्यकता नहीं होती।

मनुष्य लगातार न सुखी रह सकता है, न ही दुखी। जितना दुखी प्राणी होगा, उतना ही सुख का भागी भी होगा। पर दुख उसे इतना अधिक निराश कर देता है कि वह सुख की कल्पना ही नहीं कर पाता। इसी तरह जब वह सुखी होता है, तो जरा-भी नहीं सोचता कि इसके बाद दुखों का दौर भी आना है। वह सुख को स्थायी समझता है। दोनों ही स्थितियों को सहजता से स्वीकार करना ही जीवन का मूल उद्देश्य है। भटकाव तब आता है, जब हम केवल सुख की ही कल्पना करते हैं। सवाल है कि क्या हम लगातार अंधेरे में रह सकते हैं या फिर क्या लगातार रोशनी के बीच रह सकते हैं। अंधेरे के बाद रोशनी की आवश्यकता पड़ेगी ही और रोशनी के बाद अंधेरे की आवश्यकता पड़ेगी। जब जीवन में दोनों का होना ही आवश्यक है, तो फिर केवल सुख की कल्पना करना कहां तक उचित है? एक बात तय है कि दुख बहुत सताता है, पर जीने का सच्चा अर्थ समझाता भी यही है।

एसआईआर की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्रहण पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरुआत करने की घोषणा करके चुनाव विसंगतियों एवं कमियों को दूर करने का सराहनीय एवं साहसिक कार्य किया है। यह पहल न केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया भर है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की एक निर्णायक कोशिश है। लोकतंत्र की आत्मा उसके निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता में बसती है और चुनाव आयोग का यह कदम उसी दिशा में एक ठोस, सकारात्मक और आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया से सबक लेते हुए इस बार आयोग ने प्रक्रिया के लिए अधिक समय दिया है, ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी से बचा जा सके। आधार कार्ड को एक सहायक दस्तावेज़ के रूप में स्वीकार किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी।

निश्चित ही इस बार 12 राज्य संख्या में ज्यादा हैं तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप हैं, इनमें से केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया। आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर में इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है।

मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता लोकतंत्र की रीढ़ है। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में मतदाता सूची की सटीकता सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिये एक निश्चित अन्तराल के बाद एसआईआर की प्रक्रिया होते रहना अपेक्षित है। इसके पहले एसआईआर करीब दो दशक पहले किया गया था। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर में इतना अंतराल न आने पाए, क्योंकि अब लाखों लोग नौकरी-पेशे के चलते अन्यत्र चले जाते हैं। इनमें से अधिकांश वहीं बस जाते हैं। कई बार देखा गया है कि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने रहते हैं, वहीं नये पात्र नागरिकों के नाम दर्ज नहीं हो पाते। ग्रामीण इलाकों से लेकर महानगरों तक, इस विसंगति के चलते मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है और चुनावी परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगता है। एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है।

इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह पहल-इन खामियों को दूर करने की दिशा में एक संगठित और वैज्ञानिक लोकतांत्रिक प्रयास है। यदि यह कार्य धरातल पर ईमानदारी से लागू हुआ, तो यह मतदाता सूची की पवित्रता और लोकतंत्र की गरिमा दोनों को बढ़ाएगा।

भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये यह बहुत जरूरी है, इसके लिये राजनीतिक दलों की भूमिका एवं सहयोग अपेक्षित है, वे इस प्रक्रिया को सकारात्मक दृष्टि से लें। इस सराहनीय एवं नितांत अपेक्षित उपक्रम के लिये विपक्षी दलों के द्वारा विरोध का वातावरण बनाना एवं आस्तीनें चढ़ाना उनकी विश्वसनीयता एवं जिम्मेदारी पर प्रश्न खड़ा करता है। अक्सर देखा गया है कि जब चुनाव आयोग सुधारात्मक कदम उठाता है, तो विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। परंतु लोकतंत्र का स्वास्थ्य तब ही सुदृढ़ होगा जब सभी दल 'पारदर्शिता' को 'राजनीतिक लाभ-हानि' से ऊपर रखेंगे। विपक्ष को चाहिए कि वह इस पहल का विरोध करने की बजाय स्वागत करे और इसे सही दिशा में लागू कराने में सहयोग दे, न कि शंका और अविश्वास के चश्मे से देखे। बहरहाल, राजनीतिक पार्टियों की यह महती जिम्मेदारी है कि वे सिर्फ दोषारोपण करने तक सीमित न रहें, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। इसी तरह, नागरिक संगठनों के लिए भी यह सक्रिय होने का समय है। उनकी निगरानी बीएलए के काम को अधिक सरल व सटीक बना सकती है। कुल मिलाकर पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का सपना दिखाने वाले चुनाव आयोग के सामने अभी अपनी इस प्राथमिक जिम्मेदारी को ही निर्विवाद रूप से पूरा करने की चुनौती है।

डिजिटल युग में चुनाव सुधार केवल मानव संसाधन या प्रशासनिक इच्छाशक्ति का नहीं, बल्कि तकनीकी पारदर्शिता का भी प्रश्न है। बायोमेट्रिक सत्यापन, ऑनलाइन नामांकन और डेटा क्रॉस-वेरिफिकेशन जैसे उपाय अब आवश्यक हो चुके हैं। विशेष ग्रहण पुनरीक्षण इस दिशा में आधारभूत कार्य करेगा यानी चुनावी डाटा की सफाई और पुनर्गठन। भारत की चुनावी प्रक्रिया विश्व में सबसे बड़े लोकतांत्रिक अभ्यास के रूप में जानी जाती है। लेकिन यह गौरव तभी सार्थक होगा जब मतदाता सूची, मतदान केंद्रों की निष्पक्षता और आचार संहिता के पालन में कोई संदेह न रहे। चुनाव आयोग की यह पहल उसी लक्ष्य की ओर एक ठोस कदम है। लोकतंत्र केवल मतों की गिनती नहीं, बल्कि विश्वास की गिनती है और यह विश्वास चुनाव आयोग की ईमानदारी, पारदर्शिता और सक्रियता पर टिका है। जन-प्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 21 चुनाव आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और उनको संशोधित करने का अधिकार देती है। मतदाता सूचियों को दुरुस्त करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अनिवार्य आवश्यकता भी है। विडंबना यह है कि कुछ दलों को इस आवश्यकता की पूर्ति किया जाना रास नहीं आ रहा है। उन्होंने बिहार में एसआईआर को लेकर आसमान सिर पर उठाया और वोट चोरी के जुमले के सहारे सड़कों पर उतरने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। मगर उनकी दाल न सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गली और न ही बिहार की जनता के बीच तो इसीलिए कि वे कोरा दुष्प्रचार कर रहे थे।

ज्ञानेश कुमार की यह पहल केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति में नवीनीकरण का संदेश है। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास की परीक्षा भी है। यदि यह अभियान ईमानदारी और जनसहभागिता के साथ पूरा होता है, तो यह भारत के लोकतंत्र को और परिपक्व बनाएगा। अब जिम्मेदारी केवल चुनाव आयोग की नहीं, बल्कि हर नागरिक और राजनीतिक दल की भी है कि वे इस सुधारात्मक पहल का स्वागत करें और लोकतंत्र के इस महापर्व को निष्कलंक बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं। क्या यह विचित्र नहीं कि विपक्षी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों की शिकायत भी करते हैं और उनके पुनरीक्षण का विरोध भी? हालांकि उनके दुष्प्रचार की पोल खुल चुकी है, फिर भी चुनाव आयोग को इसके लिए तैयार रहना होगा कि विपक्ष शासित राज्य एसआईआर की प्रक्रिया का विरोध कर सकते हैं। उसे इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि मतदाता सूचियों को ठीक करने की प्रक्रिया में किसी तरह की गलती न होने पाए, क्योंकि विपक्षी दल छोटी-छोटी बातों को तूल देकर इस संवैधानिक प्रक्रिया को श्रीहीन करने की चेष्टा कर सकते हैं।

युवती से दुष्कर्म की कोशिश, विरोध पर भाई को मारा चाकू

प्रयागराज। घर में सो रही एक युवती से दुष्कर्म की कोशिश की गई, इसका विरोध पर उसके भाई को चाकू मारकर घायल कर दिया गया। आरोपी दरवाजा तोड़कर युवती के घर में घुसा था। वारदात मेडिकल कॉलेज चौराहे के समीप की है। कुलभास्कर लकड़ी मंडी मोहल्ला निवासी 30 वर्षीय युवती की तहरीर के मुताबिक 19 अक्तूबर की रात वह घर में अकेले सो रही थी। उसका भाई काम पर गया हुआ था। लगभग साढ़े 11 बजे मोहल्ले का ही सलीम नशे में घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसा और उससे जोर जबरदस्ती करने लगा। आरोपी ने युवती के कपड़े फाड़ दिए। वह खुद को बचाने के लिए शोर मचा रही थी, तभी युवती का भाई घर आ गया। उसने बहन को बचाने की कोशिश की तो सलीम ने उस पर चाकू से वार घायल कर दिया। इतने पर भी वह भिड़ा रहा तो सलीम ने उसकी जांघ में दांत से काट लिया और धमकी देते हुए भाग गया।

यूपी बोर्ड की परीक्षा देगे 52 लाख परीक्षार्थी, पिछले वर्ष की तुलना में दो लाख परीक्षार्थियों की संख्या हुई कम

9वीं, 11वीं में त्रुटि संशोधन के लिए 5 नवंबर तक की मोहलत : सचिव भगवती सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा संस्था माध्यमिक शिक्षा परिषद यानी यूपी बोर्ड की हाई स्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में 52 लाख से ज्यादा छात्राएं शामिल होंगे। हाई स्कूल में 27 लाख 50 हजार 945 और इंटरमीडिएट में 2479352 को मिलाकर कुल 5230297 परीक्षार्थी पंजीकृत है।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने आज बताया कि पिछले साल की तुलना में परीक्षार्थियों की संख्या में 2 लाख की कमी आई है। इस आधार पर परीक्षा केंद्रों में भी कमी आने का अनुमान है।

कल 2750945 परीक्षार्थियों में 1438682 छात्र और 1312263 छात्राएं पंजीकृत हैं।इंटरमीडिएट परीक्षा की अगर बात करें तो कुल 2479 352 परीक्षार्थियों में 1303 012 छात्र और 1176340 छात्राएं पंजीकृत हैं। इसके अलावा कक्षा 9 और 11 में 4946134 छात्राओं का अग्रिम पंजीकरण किया गया है।

गौरतलब है कि 10वीं और 12वीं के आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार 31 अक्टूबर तक किए जा सकेंगे। जबकि 9वीं व 11वीं में त्रुटि संशोधन के लिए 5 नवंबर तक की मोहलत यूपी बोर्ड की ओर से दी गई है। इस बीच यूपी बोर्ड के अधिकारियों ने भी बोर्ड परीक्षा की तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रश्न पत्रों को तैयार करने के साथ ही मॉडरेशन और कॉपियां छपवाने का काम तेजी से चल रहा है।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि 10वीं और 12वीं के परीक्षार्थियों का रजिस्ट्रेशन पूरा हो गया है। अब 31 अक्टूबर तक त्रुटि संशोधन का कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षार्थियों की संख्या में 2 लाख की कमी पिछले साल की तुलना में आई है। 2026 की बोर्ड परीक्षा में 2 लाख 06877 परीक्षार्थी कम हुए हैं।

वहीं 2025 की बोर्ड परीक्षा में हाई स्कूल में 27 लाख 32 हजार 165 और इंटरमीडिएट में 27 लाख 05 हजार 009 परीक्षार्थियों को मिलाकर कुल 54 लाख 37 हजार 174 परीक्षार्थी पंजीकृत थे।

यूपी बोर्ड के इन आंकड़ों से यह पता चल रहा है कि हाई स्कूल में छात्रों की संख्या में 18 हजार 780 की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि इंटर में 2 लाख 25 हजार 657 परीक्षार्थी कम हुए हैं। परीक्षा केंद्रों की संख्या भी कम होगी। बोर्ड परीक्षाओं की संख्या कम होने के साथ ही इस बार परीक्षा केंद्र भी कम होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

यूपी बोर्ड के मानक के मुताबिक एक केंद्र पर औसतन 500 से 1000 परीक्षार्थी आवंटित होते हैं। इसलिए हाथ से अगर देखे तो 200 से अधिक केंद्र कम हो जाएंगे। वही 2025 की 10वीं और 12वीं की यूपी बोर्ड परीक्षा में पंजीकृत 54 लाख 37 हजार 174 परीक्षार्थियों के लिए 8140 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। जबकि 2024 की बोर्ड परीक्षा की अगर बात करें तो पंजीकृत 55 लाख 25 हजार 342

परीक्षार्थियों के लिए 8265 केंद्र बनाए गए थे। इस लिहाज से यह साफ है कि परीक्षार्थियों की संख्या घटने के साथ परीक्षा केंद्रों की संख्या भी लगातार घट रही है। हालांकि यूपी बोर्ड की ओर से बोर्ड परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी गई है। यूपी बोर्ड ने नकल बिन निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से परीक्षा कराने के लिए तैयारी तेज कर दी है।

बीएसए देवव्रत सिंह के निर्देशन में हुआ कार्यक्रम

विशेष बच्चों की मुस्कान है उपलब्धि : एडी बेसिक संजय कुशवाहा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में समेकित शिक्षा के तहत परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों मं अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक्सपोज़र विज़िट कार्यक्रम का आयोजन बीएसए देवव्रत सिंह के निर्देशन एवं जिला समन्वयक समेकित शिक्षा विकास पांडे के संयोजन में हुआ। जिले के विभिन्न ब्लॉकों के 150 दिव्यांग बच्चों के लिए तीन एक्सपोज़र विज़िट कराया गया। बच्चों को ज्ञानवर्धक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों जैसे आनंद भवन, तारामंडल, इलाहाबाद संग्रहालय, चंद्रशेखर आज़ाद पार्क, विक्टोरिया पार्क एवं खेलकूद पार्क का भ्रमण कराया गया। बच्चों ने उत्साह के साथ विभिन्न स्थलों को देखा और इतिहास, विज्ञान एवं संस्कृति की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में नौ दिव्यांग बच्चों कुमारी रोशनी (सैदाबाद ब्लॉक), कृष्ण (होलागढ़), आर्यन कुशवाहा (करछना), देवराज (नगर क्षेत्र), मोहम्मद अयान (नगर क्षेत्र), अनमोल (नगर क्षेत्र) और आयन (नगर क्षेत्र) का सामूहिक जन्मोत्सव केक काटकर मनाया गया। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और उल्लास की झलक ने वातावरण को प्रफुल्लित कर दिया।

मुख्य अतिथि सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) प्रयागराज मंडल प्रयागराज संजय कुमार कुशवाहा ने बच्चों का जन्मोत्सव मनाया। उन्होंने कहा कि इन विशेष बच्चों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस तरह के भ्रमण कार्यक्रम इनके आत्मविश्वास और सीखने की इच्छा को नई दिशा देते हैं। कार्यक्रम में बीईओ श्रीमती प्रतिभा सिंह, मुकेश सैनी, रमाशंकर प्रजापति, समस्त स्पेशल एजुकेटर, फिजियोथैरेपिस्ट एवं स्काउट गाइड टीम थी।

वसुधा में होने वाली है निशि सक्सेना की एंट्री

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी का मशहूर शो 'वसुधा' अब अपनी कहानी में एक दिलचस्प मोड़ लेने जा रहा है, क्योंकि अभिनेत्री निशि सक्सेना की एंट्री होने वाली है। प्रिया ठाकुर और अभिषेक शर्मा के मुख्य किरदारों वाला यह शो अपनी कहानी और भावनाओं से दर्शकों का दिल जीत चुका है। अब निशि का नया किरदार इस कहानी में एक और दिलचस्प मोड़ लेकर आएगा। निशि नंदिनी का रोल निभा रही हैं, जो एक सकारात्मक और असरदार किरदार है। उनके आने से देव और वसु की ज़िंदगी में कई नए मोड़ आएंगे। आमतौर पर प्रेम कहानी में तीसरे किरदार को नकारात्मक दिखाया जाता है, लेकिन निशि का रोल इस सोच को बदलेगा। नंदिनी कहानी में अपनापन, गहराई और एक नया एहसास लेकर आएंगी।

अपने अनुभव के बारे में निशि सक्सेना कहती हैं, 'वसुधा जैसे शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खास है, खासकर जब कहानी एक रोमांचक और भावनात्मक पड़ाव पर है। यह शो पहले से ही दर्शकों के दिलों से जुड़ा हुआ है, इसलिए इस वक्त इसका हिस्सा बनना मेरे लिए खुशी की बात है। मैं बहुत उत्साहित हूं कि मेरा किरदार कहानी में एक नई दिशा लाएगा और देव-वसु की यात्रा में

शिवसेना का प्रदेश में होगा संगठन विस्तार

शिवसेना प्रदेश सचिव की राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. अभिषेक वर्मा से नई दिल्ली में हुई भेट

जनसंपर्क अभियान, पंचायत वा विस चुनाव तैयारियों पर विस्तार से हुई चर्चा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शिवसेना उत्तर प्रदेश की प्रदेश सचिव रुचि तिवारी ने एनडीए गठबंधन दल संयोजक, चुनाव प्रभारी एवं शिवसेना के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. अभिषेक वर्मा से नई दिल्ली स्थित उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रदेश में संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान और आगामी पंचायत एवं 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश प्रमुख अभय द्विवेदी, दिल्ली प्रमुख संदीप सिंह, मनोज कुमार लल्लन, स्नेहल करमरकर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर संगठनात्मक रणनीति और राष्ट्रहित में किए जाने वाले कार्यों पर विचार-विमर्श किया। शिवसेना उत्तर प्रदेश की प्रदेश सचिव रुचि तिवारी ने डॉ. अभिषेक वर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि, 'डॉ. अभिषेक वर्मा सहज, सरल और जमीन से जुड़े हुए व्यक्तित्व के धनी हैं। वह ना केवल कुशल रणनीतिकार हैं, बल्कि अपने सहयोगियों के सुख - दुःख में साथ खड़े रहने वाले सच्चे मार्गदर्शक भी हैं। इसके पूर्व शिवसेना प्रदेश सचिव रुचि तिवारी ने एनडीए गठबंधन दल संयोजक, चुनाव प्रभारी एवं शिवसेना के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. अभिषेक वर्मा को बुके और भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।बैठक का समापन 'जय भवानी' के उद्घोष के साथ हुआ, जिसने शिवसेना के आदर्शों और राष्ट्रसेवा की भावना को नई ऊर्जा प्रदान की।

मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। डीसीपी यमुनानगर के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर कमिश्नरेट प्रयागराज की मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को थाना क्षेत्र के स्कूलों/कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई, इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया ।

सदियापुर में निष्प्रयोज्य भूमि पर सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल और योगा केंद्र का लोकार्पण होते ही चहके सैकड़ों बच्चे

विधायक निधि से सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल और योगा हॉल बारादरी का हुआ निर्माण

मंत्री नन्दी ने डेढ़ करोड़ रूपए की लागत से निर्मित विकास कार्यों का किया लोकार्पण'

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बुधवार को अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न सदियापुर, मीरापुर, करेलाबाग

इलाकों में एक करोड़ 46 लाख 79 हजार रूपए की लागत से निर्मित सीसी रोड निर्माण कार्यों एवं अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। सदियापुर में वर्षों से निष्प्रयोज्य पड़ी एवं कचराघर बनी भूमि पर सरकारी प्रक्रियाएं पूरी कर मंत्री नन्दी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल, योगा हॉल और बारादरी का निर्माण और फिर लोकार्पण से मोहल्ले के सैकड़ों बच्चे चहक उठे। बच्चों ने अपनी खुशी का इजहार किया।

इस दौरान मंत्री नन्दी ने अपने क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनी। निर्माणाधीन विकास कार्यों की प्रस्तावक प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी भी इस दौरान मौजूद रहीं।

मंत्री नन्दी ने सदियापुर वसीहाबाद में जाफरी साहब के मकान से योगेंद्र कुशवाहा के मकान तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण 16.55 लाख, करैलाबाग में शन्नो देवी के मकान से रंजीत कुमार के मकान एवं भोला निषाद व गया निषाद के मकान तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण 11.74 लाख, जेपी चाट से गोंदल, धनिया देवी, दशरथ निषाद के मकान के पास आंतरिक गलियों में सीसी रोड एवं नाली निर्माण

24.81 लाख, मीरापुर में रणवीर सिंह के मकान से महेश्वानंद मिश्र के मकान तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण 24.62 लाख, हर्षवर्धन नगर मीरापुर में शिव गुरु जनरल स्टोर से पवन शास्त्री के मकान होते हुए कंचन मौर्य एवं अवधेश कुशवाहा के मकान तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण 16.78 लाख, मीरापुर पंजाबी कॉलोनी में गली का निर्माण 19.02 लाख, मीरापुर में वीर छत्रसाल पार्क के तीनों तरफ रोड निर्माण 15.62 लाख एवं सदियापुर इमली टोला मोहल्ले में स्थानीय लोगों के सार्वजनिक कार्यक्रम हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल का निर्माण कार्य 17.65 लाख का लोकार्पण किया। मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार का यही प्रयास है कि कोई भी एरिया विकास से वंचित न रहे। इसी संकल्प के साथ हमारी सरकार कार्य कर रही है। प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

इस दौरान पूर्व राज्य मंत्री बाबूलाल भंवरा, महानगर उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर, महानगर कार्यक्रम प्रभारी दीप द्विवेदी, मण्डल अध्यक्ष गया निषाद, महामंत्री ज्ञान कुशवाहा, उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुशवाहा, मंत्री सुभाष तिवारी, योगेन्द्र कुशवाहा, पार्षद ऋषि निषाद, युवामोर्चा महामंत्री विनीत निषाद, युवा मोर्चा सदस्य रोहित कनौजिया, सेक्टर संयोजक श्रीमती आभा साहू, बूथ अध्यक्ष श्रीमती आरती निषाद, किरन कपूर, रेनु पाल एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी प्रयागराज की हाईकोर्ट बार एसोसिएशन से औपचारिक भेंट, कानून-व्यवस्था पर हुई सकारात्मक चर्चा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आज इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश पांडेय 'बबुआ तथा महामंत्री अखिलेश शर्मा से बार कक्ष में औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान जिले की कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक समन्वय एवं न्यायिक कार्यों के संचालन पर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कर रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि न्यायिक व्यवस्था से जुड़े सभी आवश्यक मुद्दों पर प्रशासन संवेदनशील है और बार एसोसिएशन के सहयोग से इन्हें और बेहतर किया जाएगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष राकेश पांडेय बबुआ ने जिलाधिकारी के इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह कदम प्रशासन और बार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इससे जिले की कानून-व्यवस्था और न्यायिक व्यवस्था दोनों को मजबूती मिलेगी। महामंत्री अखिलेश शर्मा ने भी जिलाधिकारी की पहल को सराहनीय बताया और कहा कि इस प्रकार की मुलाकातें संवाद और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करती हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यों में और दक्षता आएगी। भविष्य में दोनों संस्थाओं के बीच नियमित संवाद और समन्वय बनाए रखने पर भी सहमति बनी। मुलाकात के अंत में जिलाधिकारी ने बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की संपूर्ण कार्यकारिणी उपस्थित रही। उपस्थित पदाधिकारियों में अध्यक्ष राकेश पांडे 'बबुआ', महासचिव अखिलेश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश कुमार द्विवेदी (के.के. द्विवेदी), उपाध्यक्ष अमित कुमार सिंह (सोनू), विवेक मिश्रा, राज कुमार त्रिपाठी, हनुमान प्रसाद मिश्रा, दिनेश तरुण, संयुक्त सचिव (प्रशासन) बैरिस्टर सिंह, संयुक्त सचिव (लाइब्रेरी) शशि कुमार द्विवेदी, संयुक्त सचिव (प्रेस) रमेश्वर दत्त पांडे (आर.डी.), संयुक्त सचिव (महिला) बिंदु कुमारी, कोषाध्यक्ष अंजनी कुमार मिश्रा, तथा गवर्निंग काउंसिल सदस्य अंजली सिंह तोमर, कनक कुमार त्रिपाठी, दिवांशु तिवारी, बलदेव शुक्ला, अभिषेक तिवारी, त्रिप्ती यादव, आरती गुप्ता, अखंड प्रताप त्रिपाठी, गया प्रसाद मिश्रा, गिरीश चंद्र शुक्ला, अनिरुद्ध सिंह, अवनीश चंद्र त्रिपाठी, कृष्ण मोहन पांडे, आदित्य धर द्विवेदी और अमित सिंह (सेंगर) शामिल रहे।

मेजा ऊर्जा निगम में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का शुभारंभ

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मेजा ऊर्जा निगम प्रा. लि. में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का शुभारंभ मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अशेष कुमार चट्टोपाध्याय की उपस्थिति में आयोजित उद्घाटन समारोह के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सत्यनिष्ठा की शपथ के साथ हुई, जिसमें मेजा ऊर्जा निगम की पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और नैतिक आचरण के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया गया। यह सतर्कता सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2025 तक मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों, विद्यार्थियों और समुदाय के बीच सत्यनिष्ठा एवं सतर्कता की भावना को बढ़ावा देना है। सप्ताह भर के दौरान निबंध लेखन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक जैसे कई आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से जनजागरूकता और सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सतर्कता सप्ताह गतिविधियों के अंतर्गत 29 अक्टूबर 2025 को एमयूएनपीएल टाउनशिप, मेजा स्थित सेंट जोसेफ स्कूल में सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा समारोह का भी आयोजन किया गया। इसी क्रम में 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत' विषय पर निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सप्ताह भर चलने वाला यह आयोजन समाज के सभी वर्गों में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और सतर्कता की संस्कृति को सुदृढ़ करने के लिए मेजा ऊर्जा निगम के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है।

भिवंडी में औद्योगिक प्रदूषण से जनजीवन अस्त-व्यस्त

रोशन बाग स्थित फिरदौस सायजिंग में जलाया जा रहा कचरा, रबर और टायर्स

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी मनपा के प्रभाग समिति क्रमांक चार क्षेत्र स्थित भंडारी रोड, टॉवरे पुलिस चौकी के समीप फिरदोस सायजिंग नामक औद्योगिक इकाई द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण के विरुद्ध स्थानीय नागरिकों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्र निवासी जावेद खा़न ने महाराष्ट्र राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल तथा भिवंडी महानगरपालिका के पर्यावरण विभाग को निवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत पत्र में कहा गया है कि उक्त सायजिंग इकाई में अवैध रूप से कचरा,रबर, प्लास्टिक आदि जलाया जा रहा है। जिसके कारण बॉयलर से निकलने वाला रासायनिक धुआँ और दुर्गंधित गैसें वातावरण को अत्यधिक प्रदूषित कर रही हैं। इसके कारण स्थानीय निवासियों को श्वसन संबंधी तकलीफ़ें, आंखों में जलन तथा सिरदर्द जैसी बीमारियाँ हो रही हैं। बताया गया है कि साईजिंग कारखाने से निकलने वाला रासायनिक अपशिष्ट बिना किसी शोधन प्रक्रिया के खुले नालों में प्रवाहित किया जा रहा है, जिससे जल और वायु दोनों दूषित हो रहे हैं। खान ने पत्र में उल्लेख किया है कि इस प्रदूषण का दुष्प्रभाव विशेष रूप से बच्चों और वृद्धों पर देखा जा रहा है। क्षेत्र का वायु गुणवत्ता स्तर लगातार गिर रहा है और नागरिकों को सांस लेने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस फैक्ट्री पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। साथ ही, उन्होंने आग्रह किया है कि इस क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन पुनः स्थापित करने हेतु त्वरित कदम उठाए जाएँ। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन का मार्ग अपनाने को बाध्य होंगे। फिलहाल नगर प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ओर से इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई है।

कशिवली ग्रामवासियों को मिली राहत

मुंबई महापालिका से मिलेगा पेयजल

पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटील के प्रयास सफल

भिवंडी (संवाददाता) । भिवंडी तालुका के धामणगांव-कशिवली ग्रामपंचायत क्षेत्र में स्थित कशिवली गाँव के नागरिकों की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या अब दूर होने जा रही है। मुंबई महापालिका की ओर से कशिवली को पेयजल आपूर्ति की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के पीछे पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटील के सतत प्रयास प्रमुख रहे।

कशिवली क्षेत्र में अब तक लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं था, जबकि गाँव के समीप से मुंबई महापालिका की मुख्य जलवाहिनी गुजरती है। इसी को ध्यान में रखते हुए कपिल पाटील ने महापालिका आयुक्त के समक्ष निरंतर पाठपुरावा किया। 12 मई 2021 को इस विषय में औपचारिक पत्र सौंपा गया तथा तत्कालीन आयुक्त आई.एस. चहल से भी विस्तृत चर्चा की गई थी। इसके बाद प्रशासनिक प्रक्रिया आगे बढ़ी। अब महापालिका ने धामणगांव-कशिवली ग्रामपंचायत को आधिकारिक पत्र भेजकर नई तानसा जलवाहिनी से 32 मि.मी. व्यास की जलजोड़नी द्वारा कशिवली में पेयजल आपूर्ति को मंजूरी प्रदान कर दी है। ग्रामीणों की इस मूलभूत समस्या के समाधान होने पर संदेश भोईर, ज्ञानेश्वर पाटील, यशवंत पाटील, सुंदर पाटील, किरण भोईर, जगन पाटील तथा अनिल पाटील सहित ग्रामवासियों के प्रतिनिधिमंडल ने कपिल पाटील से भेंट कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कशिवली ग्रामवासियों के लिए आगे भी निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।आभार व्यक्त करते समय जिल्हा परिषद के पूर्व सदस्य देवेश पाटील भी उपस्थित थे। कशिवली में पेयजल की उपलब्धता से नागरिकों में हर्ष का वातावरण है।

घरेलू विवाद के चलते पत्नी से मारपीट, चार लोगों पर मामला दर्ज

भिवंडी।भिवंडी के शास्त्रीनगर, कल्याण रोड स्थित यादव बिल्डिंग में घरेलू विवाद के चलते एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में महिला के पति सहित चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता सायमाबानो सुफियान खा़न (उम्र 24 वर्ष) ने भिवंडी शहर पुलिस थाने में दर्ज कराई शिकायत में बताया कि वह अपने घर में कपड़े धोने के लिए बाथरूम में थीं। उसी दौरान उनके पति सुफियान खा़न ने यह कहकर नाराज़गी जताई कि वह देर से काम करती हैं और कपड़े समय पर साफ नहीं करतीं। बात बढ़ने पर सुफियान ने गाली-गलौज करते हुए उसका बाल पकड़ कर मारा। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस दौरान उनके ससुर रैफ खा़न, सास शामिन बानो और सलमान खा़न ने भी हस्तक्षेप करते हुए उन्हें थप्पड़ मारे और गालियां दीं। घायल महिला को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने चारों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीकृत किया है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।मामले की जांच भिवंडी शहर पुलिस थाने के पुलिस नाईक तडवी के मार्गदर्शन में जारी है।

तेज रफ़्तार पिकअप वाहन की टक्कर से युवक की मौत, चालक फ़रार

भिवंडी। भिवंडी शहर में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 31 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना भिवंडी के टेमघर पाइपलाइन रोड, फेणगांव इलाके में हुई, जहाँ एक तेज़ रफ़्तार पिकअप वाहन ने मोटरसाइकिल सवार युवक को ज़ोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान धीरज तानाजी ठाकुर (39) के रूप में हुई है। वह कामकाज निपटाकर मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। तभी महेंद कंपनी की बोलेरो पिकअप (क्रमांक श्प04 व्ख 4378) ने तेज़ रफ़्तार से आकर उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि धीरज गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें अंजूरफाटा के नोबल हॉस्पिटल पहुँचाया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आगे घ्श अस्पताल रेफ़र किया गया। वहाँ उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भिवंडी शहर पुलिस थाने में चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 106,281,125 तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पिकअप चालक की तलाश जारी है। मृतक के चचेरे भाई अनिकेत अरुण ठाकुर ने पुलिस को बताया कि दुर्घटना के समय वाहन बेकाबू गति में था, जिससे यह हादसा हुआ। पुलिस ने वाहन को जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

नवनीत राणा को जान से मारने और गैंगरेप की धमकी, हैदराबाद से आया खत, एफआईआर दर्ज

अमरावती ।अमरावती से बीजेपी नेता और पूर्व सांसद नवनीत राणा की सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर सामने आया है। उन्हें एक बार फिर बेहद गंभीर धमकी दी गई है। इस बार नवनीत राणा को जान से मारने और गैंगरेप की धमकी भरा पत्र दिया गया है। इसमें उनके साथ गाली-गलौज की गई है। धमकी भरे पत्र के दफ्तर से मिली जानकारी के मुताबिक, यह धमकी भरा पत्र स्पीड पोस्ट के जरिए सीधे अमरावती स्थित नवनीत राणा के दफ्तर भेजा गया है। यह पत्र हैदराबाद से जावेद नाम के एक शख्स ने भेजा है। इस पत्र में बेहद आपत्तिजनक और निम्नस्तरीय शब्दों का इस्तेमाल किया गया है और धमकी दी गई है कि उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस गंभीर घटना के बाद, नवनीत राणा के निजी सहायक मंगेश कोकाटे ने बिना समय गंवाए राजापेठ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने तुरंत इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। राजापेठ पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस पत्र में उल्लिखित आपत्तिजनक सामग्री और जिस उद्देश्य से यह पत्र भेजा गया था, उसकी जांच कर रही है।

भिवंडी में श्रद्धा और आस्था के साथ सम्पन्न हुआ छठ महापर्व

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। दिवाली के बाद मनाए जाने वाले लोकआस्था के महापर्व छठ की भव्यता भिवंडी में भी देखने को मिली। शहर के विभिन्न तालाबों और नदी किनारों पर रविवार की शाम से ही छठी मईया के भक्तों का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा। बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखने वाली बड़ी आबादी वाले इस बहुभाषी शहर में चार दिवसीय पर्व का समापन सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर हुआ।

पर्व के तीसरे दिन हजारों व्रती महिलाओं ने निर्जला उपवास रखते हुए ढलते सूर्य को अर्घ्य दिया तथा रातभर कठिन तपस्या के साथ पूजा-अर्चना की। वहीं अंतिम दिन उगते सूर्य की उपासना कर परिवार की सुख-समृद्धि के लिए मंगलकामनाएं की गईं। अर्घ्य पश्चात प्रसाद वितरण भी किया गया।

शहर के वराला देवी घाट, कामतघर घाट, फेनेगांव घाट, भादवड़ तालाब, नारपोली तालाब, तड़ाली तलाव, करीवली तलाव और कामवारी नदी स्थित लोकमान्य तिलक घाट सहित शेलार क्षेत्र में व्रतियों की भारी भीड़ रही। आयोजन को लेकर महानगरपालिका प्रशासन ने घाटों की सफाई, रोशनी और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए। हालांकि सूर्यास्त के समय हुई बारिश से श्रद्धालुओं को थोड़ी असुविधा हुई, लेकिन पूजा के उत्साह में कोई कमी नहीं आई।स्थानीय निकाय चुनावों की नजदीकी को देखते हुए कई जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भी घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। वराला देवी तालाब पर छठ फाउंडेशन और स्व. नरेश झा फाउंडेशन की ओर से विशेष मंच बनाकर भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें धीरेन्द्र पाल, अशोक झा और माय म्यूजिकल समूह द्वारा भक्तिमय प्रस्तुतियाँ दी गईं। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुकेश कुमार झा, शैलेश झा, पवन गुप्ता, शिवम कुमार झा, मनीष मिश्रा सहित कई स्वयंसेवकों ने विशेष सहयोग किया। छठ मईया की जयकारों के बीच सम्पन्न हुए इस महापर्व ने भिवंडी में धार्मिक उत्साह और सामुदायिक सौहार्द का सुंदर संदेश दिया।

भिवंडी में दिवाली पर सांस्कृतिक जागरण.....

बालकों ने किलों की प्रतिकृतियाँ सजाकर शिवकालीन इतिहास को दी नई पहचान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में भिवंडी के वेताल पाड़ा क्षेत्र में मंगलवार को किले सजावट एवं दर्शन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। शिवसेना वेताल पाड़ा शाखा तथा जिजाऊ संस्कृति संवर्धन सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित इस उपक्रम का उद्देश्य बालकों की कला-प्रतिभा को मंच प्रदान करना एवं उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज के गढ़-किलों के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराना था।कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में शिवसेना जिल्हा प्रमुख मनोज गगे, महिला जिला संगठन प्रभारी श्रीमती वैशाली मेस्त्री तथा महिला पूर्व विधानसभा संगठन प्रभारी संगीता जोशी उपस्थित रहीं। विभाग प्रमुख एवं वाहतूक संगठन के पदाधिकारी गजेन्द्र गुलवी, उपशाखा प्रमुख योगेश शेलकांदे, वरिष्ठ शिवसैनिक प्रल्हाद राणे तथा माजी विशेष कार्यकारी अधिकारी भरत आयकर समेत अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस आयोजन का नेतृत्व उपशहरप्रमुख स्वप्नील जोशी, विभाग प्रमुख हर्षल राऊत, उपविभाग प्रमुख अर्जुन सालुंखे एवं शाखा प्रमुख लक्ष्मण हुंबारकर ने किया। बच्चों ने विविध ऐतिहासिक किलों की आकर्षक प्रतिकृतियाँ तैयार कर स्वराज्य की गौरवगाथा को सजीव रूप से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में सहभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं सम्मान चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम में उपशाखा प्रमुख सचिन कदम, समूह प्रमुख रुपेश चव्हाण, शेखर जाधव, प्रसिद्धि प्रमुख योगेश आंबवले तथा शिवसैनिक रविन्द्र तांदळेकर, रोशन राऊत और शेखर मोरे सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।आयोजकों ने संदेश दिया कि ऐसे सांस्कृतिक उपक्रमों के माध्यम से राष्ट्र के इतिहास और परंपरा की प्रेरणा नवपीढ़ी तक पहुँचाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा।

भिवंडी में चोरी की बढ़ती वारदातें, पांच चोरी के मामले दर्ज – ऑटो रिक्शा भी गायब

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में चोरी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। भिवंडी के विभिन्न पुलिस थानों में पांच अलग-अलग स्थानों पर चोरी के मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, चांदी के सिक्के, तांबे का तार, नकदी और एक ऑटो रिक्शा चोरी होने की शिकायतें शामिल हैं। पुलिस ने सभी मामलों में जांच शुरू कर दी है। पहली घटना निजामपुरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र की है। खाड़ीपार स्थित मुकेश कंपाउंड में अज्ञात चोर ने घर में घुसकर 1 लाख 63 हजार रुपये मूल्य के सोने और चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। दूसरी घटना तलवली नाका-कांबा रोड पर स्थित एक सोडा कंपनी में घटी, जहां से चोरों ने 23 हजार रुपये कीमत के चांदी के सिक्के, तांबे का तार और नकदी पर हाथ साफ किया। तीसरे मामले में नझराना कंपाउंड में खड़ी ऑटो रिक्शा MH-04 JH-4392 को दिनदहाड़े चोरी कर लिया गया। बताया गया कि वाहन मालिक सब्जी खरीदने सब्जी मार्केट गए थे। उनके लौटने से पहले ही चोर ऑटो लेकर फरार हो गए। निजामपुरा पुलिस इस मामले में वाहन की तलाश कर रही है। चौथी घटना नारपोली पुलिस थाने की सीमा के दापोडा गांव में सामने आई। बाला जी सोल्यूशन लिमिटेड कंपनी के वेयर हाउस का ताला तोड़कर चोरों ने 69 हजार 502 रुपये मूल्य की इलेक्ट्रॉनिक सामग्री चुरा ली। इसी तरह पांचवें मामले में नारपोली क्षेत्र निवासी रोशन श्यामचंद्र झा अपने परिवार के साथ कामतघर के वाराला तालाब पर छठ पूजा के लिए जा रहे थे। भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके जेब से करीब 10 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन चोरी कर लिया। लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों को देखते हुए पुलिस ने पेट्रोलिंग बढ़ा दी है और नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस के अनुसार, सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच तेज कर दी गई है।

नवी मुंबई में पहले चरण में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 8 चार्जिंग स्टेशन जल्द ही चालू होंगे

मुंबई । प्रदूषण नियंत्रण पर ज़ोर देते हुए नवी मुंबई को पर्यावरण-अनुकूल शहर के रूप में अग्रणी बनाने के उद्देश्य से, नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में नवी मुंबई नगर निगम द्वारा विभिन्न पर्यावरण-अनुकूल मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

केंद्र सरकार की नीति इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना, वायु प्रदूषण को रोकना, ध्वनि प्रदूषण को कम करना, ऊर्जा की बचत करना और ग्रीनहाउस गैसों के प्रभाव को कम करना है, तथा पर्यावरण संतुलन प्राप्त करने के लिए 2030 तक कम से कम 30इ इलेक्ट्रिक वाहनों का लक्ष्य प्राप्त करना है।

राज्य सरकार ने भी फरवरी 2022 में इस नीति को अपनाया है। नीति आयोग ने भी 2030 तक 80इ दोपहिया-तिपहिया वाहनों का लक्ष्य रखा है। 50इ पहिएदार वाहनों, 50इ चार पहिया वाहनों और 40इ बसों को इलेक्ट्रिक बनाने की अवधारणा प्रस्तावित की गई है। तदनुसार, आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में इन इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए न्यूनतम 70 वर्ग मीटर जगह की आवश्यकता होती है। तदनुसार, नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में सड़कों के किनारे उपयोगी स्थानों, जैसे ले-बाय, मॉल, विभागीय कार्यालय, नगर निगम मुख्यालय, विवाह भवन, पार्क, पार्किंग स्थल और अन्य भीड़-भाड़ वाले स्थानों के साथ-साथ नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सार्वजनिक स्थानों का सर्वेक्षण किया गया है।

इस सर्वेक्षण के अनुसार, शहर में 1 वर्ग किलोमीटर का ग्रिड क्लस्टर प्रस्तावित है और इसमें 6 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन (ईवीसीएस) प्रस्तावित हैं। वर्तमान में, स्थान की उपलब्धता को देखते हुए, एक क्लस्टर में 5 ईवीसीएस प्रस्तावित हैं। इस प्रकार, कुल 24 ईवीसीएस क्लस्टर यानी 143 चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए जाएँगे। इसके माध्यम से, नागरिकों को अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए पार्क, खुले स्थान, बस टर्मिनल, मॉल, व्यावसायिक परिसरों जैसे व्यस्त स्थानों के पास इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध होगी।

नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर 24 ईवीसीएस क्लस्टर यानी 143 चार्जिंग पॉइंट में से वर्तमान में ज़ोन 1 में 8 चार्जिंग स्टेशन/क्लस्टर यानी 48 चार्जिंग पॉइंट और ज़ोन 2 के लिए 4 चार्जिंग स्टेशन/क्लस्टर स्थापित किए जा रहे हैं। स्थान की उपलब्धता के अनुसार, ईवीसीएस स्थापित करने के लिए नामित एजेंसी को स्थान उपलब्ध कराया जाएगा।

इस कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। चार्जिंग स्टेशन/क्लस्टर मेसर्स के बी बैटरीज़ प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स रोड ग्रिड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एजेंसियों के माध्यम से अपने खर्च पर स्थापित किए जाएँगे। इससे नवी मुंबई नगर निगम को प्रति किलोवाट 4 रुपये की आय होगी। 15वें वित्त आयोग के तहत, 2018-19 के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मिलियन प्लस सिटी समूह के शहरों के लिए वायु गुणवत्ता सुधार घटक हेतु प्राप्त धनराशि में से 2 करोड़ रुपये इसके लिए खर्च किए जाएँगे।

इसके अंतर्गत, नगर निगम को सभी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों (पीसीएस) पर विज्ञापनों के लिए संबंधित एजेंसी को हमेशा विद्युत प्रकाश व्यवस्था सहित निःशुल्क स्थान उपलब्ध कराना होगा। इन विज्ञापनों से होने वाली आय में नगर निगम की भी हिस्सेदारी होगी।

भिवंडी में सपा प्रदेश मुखिया अबू आसीम आजमी के '30 साल बेमिसाल' कार्यक्रम आज

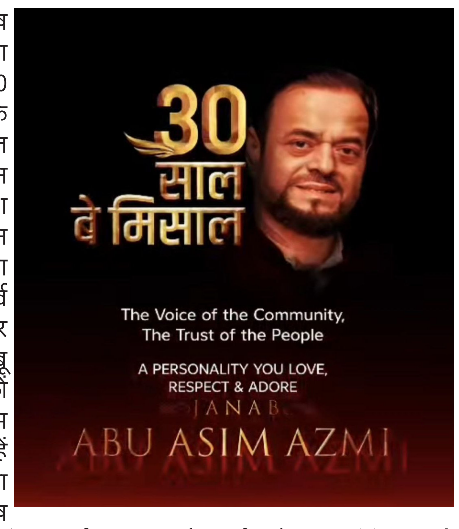

भिवंडी। समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता अबू आसीम आजमी के जनसेवा के 30 गौरवशाली वर्षों को समर्पित एक विशेष समारोह का आयोजन शहर में किया जा रहा है। भिवंडी की लगभग 30 सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में 30 अक्टूबर को आज हयात मैरिज हॉल,खंडूपाडा में 'तीस साल बेमिसाल' कार्यक्रम का आयोजन होगा। शहर में इस कार्यक्रम को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है,पूर्व महापौर अहमद सिद्दीकी ने पत्रकार परिषद के दौरान बताया कि अबू आसिम आजमी ने पिछले तीन दशकों में गरीब, दलित, वंचित एवं मुस्लिम समाज की आवाज बुलंद कर उन्हें न्याय दिलाने का निरंतर प्रयास किया है। भिवंडी शहर के प्रति उनके विशेष लगाव को देखते हुए इस भव्य समारोह की तैयारी की गई है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सपा प्रदेश मुखिया ने हमेशा लोगों के हितों को प्राथमिकता दी है और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है। इसी दौरान उन्होंने सपा विधायक रईस शेख पर तंज कसते हुए कहा कि, 'उन्होंने अपनी विधानसभा सीट पर मुंबई से एक अनमोल हीरा लाकर विकास का रास्ता खोला है।'

साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग इस आयोजन को विफल करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनकी यह सोच पूरी तरह गलत साबित होगी। यह कार्यक्रम तय समय, तय स्थान पर भव्य रूप से ही आयोजित होगा। अहमद सिद्दीकी ने शहर के सभी नागरिकों से इस ऐतिहासिक अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अबू आसीम आजमी के जनकल्याणकारी कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने की अपील की। सिद्दीकी ने कहा कि भिवंडी एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है– जहाँ जनसेवा को समर्पित तीन दशक का जश्न जनता की उपस्थिति और उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

मैं चाहता हूं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की गेंदबाजी में अतिरिक्त विकल्प हों : वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप का मानना है कि मेजबान भारत को बृहस्पतिवार को महिला वनडे विश्व कप सेमीफाइनल में मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक अतिरिक्त गेंदबाज के साथ उतरना चाहिए। भारत और ऑस्ट्रेलिया बृहस्पतिवार को नवी मुंबई में दूसरे सेमीफाइनल में भिड़ेंगे। भारतीय टीम पिछले काफी समय से पांच बल्लेबाजों, एक विकेटकीपर और पांच गेंदबाजों (जिनमें से तीन ऑलराउंडर हैं) के संयोजन के साथ मैच में उतर रही है।

विश्व कप से पहले यह संयोजन कारगर दिख रहा था लेकिन दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ लीग चरण की हार में इसकी कमियां उजागर हुईं। भारत को इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने जरूरी मैच में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की जगह विशेषज्ञ तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को लाने के लिए मजबूर होना पड़ा। 'जियो स्टार' विशेषज्ञ बिशप ने दूसरे सेमीफाइनल की पूर्व संध्या पर कहा, 'मैं चाहूंगा कि भारत के पास गेंदबाजी में अतिरिक्त गहराई हो और बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेने का मौका मिले, चाहे संयोजन कुछ भी हो। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी की गहराई को देखते हुए मैं गेंदबाजी में एक अतिरिक्त विकल्प चाहूंगा। मुझे इतने बड़े मैच में काम चलाऊ गेंदबाज पसंद नहीं हैं। ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों का समर्थन करें, वे रन बनाने में माहिर हैं लेकिन गेंदबाजी में हमेशा एक विकल्प मौजूद रहना चाहिए क्योंकि डीवाई पाटिल स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है।'

भारतीय टीम को इस मैच से पहले सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल होने से बड़ा झटका लगा है। टीम में उनकी जगह शेफाली वर्मा को शामिल किया गया है। इस 58 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि वह अपने खेल में सुधार के लिए मेहनत कर के आ रही है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पिछले कुछ मैचों में वह लय में नहीं दिखी है। लेकिन यह एक मौका है और उसे इसका फायदा उठाने की मानसिकता के साथ आना चाहिए।'

बिशप ने भारतीय टीम को आक्रामक रवैये के साथ मैदान में उतरने की सलाह देते हुए कहा, 'मैं भारत जैसी टीमों को और ज्यादा आक्रामक होते देखना चाहता हूं। एक विकेट लेने के बाद उन्हें अगला विकेट गिरने का इंतजार करने की जगह क्षेत्ररक्षकों को ऐसे तैनात करना चाहिए कि बल्लेबाज आसानी से रन नहीं चुरा सके।'

शाई होप प्रिटोरिया कैपिटल्स में शामिल, विल जैक्स की जगह एसए20 के चौथे सीजन में खेलेंगे

प्रिटोरिया **(एजेंसी)**। वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज और टी20 कप्तान शाई होप को एसए20 लीग के चौथे सीजन से पहले प्रिटोरिया कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल किया है। वह इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स की जगह लेंगे, जो इस बार अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के कारण टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पाएंगे। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि होप की मौजूदगी से बैटिंग ऑर्डर को गहराई, स्थिरता और अनुभव मिलेगा। उनकी शांत स्वभाव की कप्तानी और निरंतर प्रदर्शन टीम के लिए अहम साबित हो सकता है।

प्रिटोरिया कैपिटल्स ने अपने बयान में कहा कि विल जैक्स इस सीज़न में इंग्लैंड के इंटरनेशनल कमिटमेंट्स के चलते टीम का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। जैक्स ने अब तक फ्रेंचाइज़ी के लिए 27 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 25 पारियों में 740 रन बनाए, 29.60 की औसत और 169.72 के स्ट्राइक रेट के साथ। इस दौरान उन्होंने दो शतक और छह अर्धशतक जड़े। पिछले सीज़न में जैक्स का प्रदर्शन थोड़ा अस्थिर रहा, जहां उन्होंने नौ पारियों में 225 रन बनाए, उनका औसत 25.00 और स्ट्राइक रेट 135.54 रहा। उनका सर्वोच्च स्कोर 64 रन था।

शाई होप टी20 क्रिकेट में एक भरोसेमंद नाम बन चुके हैं। 188 मैचों में उन्होंने 4, 997 रन बनाए हैं, 30.65 की औसत और 129.15 के स्ट्राइक रेट के साथ। उनके नाम तीन शतक और 25 अर्धशतक दर्ज हैं, जबकि उनका बेस्ट स्कोर 106 रन है। पिछले दो सालों में उन्होंने अपने खेल को और निखारा है। इस दौरान 27 मैचों में उन्होंने 36.33 की औसत और 149.31 के स्ट्राइक रेट से 763 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनका नॉटआउट 102 रन का स्कोर उनके पावर-हिटिंग कौशल को दर्शाता है। दिलचस्प बात यह है कि शाई होप ने पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी खेला था, जो प्रिटोरिया कैपिटल्स की सिस्टर फ्रेंचाइज़ी है। उन्होंने उस सीज़न में नौ मैचों में 183 रन बनाए, औसत 22.87 और स्ट्राइक रेट 150 रहा। उनका सर्वोच्च स्कोर 41 रन रहा था। इस अनुभव से होप को फ्रेंचाइज़ी सिस्टम और टीम कल्चर की गहरी समझ पहले से है, जो एसए20 में उनके प्रदर्शन को और बेहतर बना सकती है। प्रिटोरिया कैपिटल्स के कोचिंग स्टाफ का मानना है कि शाई होप जैसे अनुभवी बल्लेबाज़ की मौजूदगी टीम के मिडल ऑर्डर को मजबूती देगी। होप का स्वाभाविक खेल एंकरिंग और काउंटर-अटैक दोनों के बीच संतुलन बनाए रखता है। कप्तान वेन पार्नेल ने कहा, 'हमारे लिए यह बड़ा मौका है कि हमें शाई होप जैसा खिलाड़ी मिला है। वह खेल को पढ़ना जानते हैं और जरूरत पड़ने पर मैच की दिशा बदल सकते हैं।'

भारत 'उभर चुकी बाजार' अर्थव्यवस्था का दर्जा पाने की राह पर : आरबीआई डिप्टी गवर्नर

मुंबई **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बुधवार को कहा कि लगातार सुधारों और आर्थिक मजबूती के कारण भारत आने वाले दशकों या संभवतः अगले कुछ वर्षों में ही 'उभरते हुए बाजार' से 'उभर चुके बाजार' का दर्जा हासिल कर सकता है। गुप्ता ने कहा कि भारत के नीतिगत ढांचे लगातार विकसित हो रहे हैं और ये इस समय वैश्विक स्तर पर सबसे अच्छे ढाचों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि देश की विनिमय दर 1991 तक विनियमित थी और अब यह तेजी से बाजार संचालित हो रही है। इसके बाहरी खाते का प्रबंधन भी अच्छी तरह से किया गया है।

डिप्टी गवर्नर ने कहा, ''देश के विविध भुगतान संतुलन में अंतर्निहित ताकतें हैं। चालू खाते की बात करें तो वस्तु व्यापार घाटा मजबूत सेवा निर्यात और प्रेषण प्राप्तियों से संतुलित किया गया है। तेल की कीमतें पहले की तरह निराशाजनक नहीं हैं। कुल मिलाकर चालू खाता लचीलापन दर्शाता है और पूरी तरह से टिकाऊ दायरे में है।'' उन्होंने आगे कहा कि महामारी जैसे बड़े झटकों को छोड़कर, भारत ने मोटे तौर पर राजकोषीय समेकन के मार्ग का पालन किया है।

गुप्ता ने कहा, ''लचीले मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण को अपनाने के बाद बेहतर परिणाम मिले हैं। मुद्रास्फीति कम है और कम अस्थिर हो गई है। मुद्रास्फीति संबंधी अपेक्षाएं बेहतर ढंग से स्थिर हैं और मौद्रिक नीति अधिक प्रभावी हो गई है।'' डिप्टी गवर्नर ने कहा, 'ऐसे सामूहिक प्रयास निश्चित रूप से भारत को आगामी दशकों में (और संभवतः आने वाले वर्षों में ही) उभरते हुए बाजार से उभर चुके बाजार की स्थिति में ले जाएंगे।' उन्होंने कहा कि नीतिगत सुधारों के पूरे ढांचे के चलते भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और प्रति व्यक्ति आय वृद्धि दर समय के साथ तेज हुई है।

दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोलवार्ड्ट ने विश्व कप में बनाए सबसे ज्यादा 50 प्लस रन, मिताली की बराबरी की

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ड्ट ने अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि हासिल की है क्योंकि उन्होंने महिला वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। मिताली का 2022 वनडे वर्ल्ड कप करियर का आखिरी टूर्नामेंट बनाया था और उन्होंने 50 ओवर के वर्ल्ड कप में 13 बार 50 से ज्यादा रन बनाकर अपने करियर का अंत किया था। वोलवार्ड्ट, जो एक नया बेंचमार्क बनाने के करीब थीं, उन्होंने अब बारसापारा स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के दौरान अपना 13वां 50+ स्कोर बनाकर इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इस 26 साल की खिलाड़ी ने मौजूदा 2025 महिला वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में तीन हाफ-सेंचुरी बनाईं और बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे नॉकआउट मैच में इस सीजन का अपना चौथा 50+ स्कोर बनाया। यह प्रोटियाज बल्लेबाज मिताली राज के साथ इस खास लिस्ट में टॉप पर है जबकि डेबी हॉकले और शार्लोट एडवर्ड्स 12 और 11 फिफ्टी प्लस स्कोर के साथ अगले दो स्थानों पर हैं।

मैं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी का योगदान समझने की कोशिश कर रहा हूं : सुदर्शन

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। भारतीय टेस्ट टीम में तीसरे क्रम पर अपनी जगह पक्की करने की ओर बढ़ रहे युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने कहा कि वह गेंदबाजों पर दबदबा बनाने के लिए इस बल्लेबाजी क्रम के लिए जरूरी रणनीति को सीख रहे हैं। यह खब्बू बल्लेबाज अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट की घरेलू श्रृंखला से पहले दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए के लिए दो (चार दिवसीय) मैचों में खेलेगा।

सुदर्शन ने यहां दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'मैं तकनीकी रूप से अपने फुटवर्क में काफी सुधार कर रहा हूं। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं समझ रहा हूं कि तीसरे नंबर के खिलाड़ी को टीम के लिए क्या करना होता है। मैं इस भूमिका को बेहतर ढंग से समझ रहा हूं और उसे लागू करने की कोशिश कर रहा हूं।

उन्होंने कहा, 'इसमें ज्यादा तकनीकी अंतर नहीं है, क्योंकि मुझे लगता है कि यह रणनीतिक रूप से बेहतर होने के बारे में है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाज से एक कदम आगे रहने के लिए मजबूत रणनीति होना जरूरी है और मैं इस पर काम कर रहा हूं।'' सुदर्शन ने कहा कि विरोधी टीम पर रणनीतिक बढ़त हासिल करना बेहद जरूरी है क्योंकि क्रिकेट के शीर्ष स्तर पर आपकी खामियां जल्दी उजागर हो जाती है। उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आप जिसका (गेंदबाज) भी सामना करते है वह अपने देश का सर्वश्रेष्ठ होता है। ऐसे में अगर आपकी बल्लेबाजी में कोई खामी है तो आप उसके साथ ज्यादा दिन तक बने नहीं रह सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह सब उन रणनीतिक सुधार पर निर्भर करता है जो आप किसी गेंदबाज की ताकत और कमजोरियों के अनुसार उसके खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। मुझे लगता है कि मैं अभी यही सीख रहा हूं, शायद मैं इसे और निखार रहा हूं और भारत के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने का सबसे अच्छा तरीका ढूंढ रहा हूं।'

विजय देवरकोंडा से शादी की अफवाहों के बीच वर्क लाइफ बैलेंस पर बोलीं रश्मिका मंदाना- ज्यादा काम से परेशान हूं

मुंबई। दीपिका पादुकोण ने अपनी पर्सनल लाइफ बैलेंस को लेकर आठ घंटे काम करने की मांग की थी, जिसके बाद फिल्म इंडस्ट्री में एक बहस छिड़ गई है। कई हस्तियों ने इसका समर्थन किया है, तो कुछ ने तर्क दिया है कि लंबे काम के घंटे इस पेशे का हिस्सा हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में, रश्मिका मंदाना ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय रखी।

बातचीत के दौरान, रश्मिका ने स्वीकार किया कि उन्होंने बहुत ज्यादा काम कर लिया है। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत ज्यादा काम करती हूं और मैं आपको बता रही हूं कि ये बिल्कुल भी सही नहीं है। यह टिकाऊ नहीं है, ऐसा मत कीजिए। वही कीजिए जो आपके लिए आरामदायक हो। वही कीजिए जो आपके लिए सही हो। 8 घंटे की नींद जरूर लीजिए। 9-10 घंटे की नींद भी लीजिए। यकीन मानिए, इससे आपको बाद में आराम मिलेगा। मैंने हाल ही में काम के घंटों को लेकर ऐसी कई बातें सुनी हैं। मैंने दोनों ही काम किए हैं, और मैं आपको बता रही हूं कि ये ऐसा करना सही नहीं है।'

रश्मिका मंदाना ने आगे कहा कि काश अभिनेताओं के भी काम के घंटे तय होते ताकि वे एक हेल्दी वर्क लाइफ बैलेंस बनाए रख सकते। 'लेकिन अगर मैं खुद के लिए चुन सकती, तो मैं कहती, कृपया हम अभिनेताओं को ऐसा करने पर मजबूर न करें। जैसे ऑफिस में 9 से 5 बजे तक काम होता है, वैसे ही हमें भी करने दें। क्योंकि मैं अभी भी पारिवारिक जीवन पर ध्यान देना चाहती हूं, अभी भी अपनी नींद पूरी करना चाहती हूं, और मैं अभी भी वर्कआउट करना चाहती हूं ताकि बाद में मुझे पछतावा न हो। मैं अभी भी अपने भविष्य के बारे में सोच रही हूं, लेकिन अभी मेरे पास कहने का अधिकार नहीं है क्योंकि मैं बहुत ज्यादा काम ले रही हूं।'

इससे पहले एक कार्यक्रम में, निर्माता एसकेएन ने रश्मिका मंदाना की काम के घंटों के लचीलेपन की तारीफ की थी। उन्होंने कहा, 'ऐसे समय में जब इस बात पर बहस चल रही है कि कितने घंटे काम करना चाहिए, पूरे भारत में एक ही हीरोइन है जो जरूरत पड़ने पर जितने घंटे काम करने को तैयार है। वह काम को घंटों के लिहाज से नहीं, बल्कि प्यार से देखती है। उसकी प्रतिबद्धता समय के प्रति है, न कि किसी सीमा के प्रति। यही वजह है कि सभी को रश्मिका परिवार का हिस्सा लगती हैं।' रश्मिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इस वक्त अपनी फिल्म 'थामा' को लेकर चर्चा में हैं। जो अभी भी सिनेमाघरों में चल रही है। वह अगली बार राहुल रविंद्रन द्वारा निर्देशित 'द गर्लफ्रेंड' में नजर आएंगी। यह 7 नवंबर को बड़े पर्दे पर आएगी।

100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई 'थामा', हर्षवर्धन की फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' ने निकाली लागत

बीते हफ्ते सिनेमाघरों में दो फिल्में रिलीज हुई और दोनों ही दर्शकों के दिलों में अपनी-अपनी जगह बनाने में कामयाब हुईं। एक तरफ हॉरर कॉमेडी मूवी 'थामा' थी, तो दूसरी तरफ रोमांटिक मूवी 'एक दीवाने की दीवानियत' थी। 8 दिन में ही आयुष्मान खुराना-रश्मिका मंदाना और हर्षवर्धन राणे-सोनम बाजवा की फिल्मों ने कमाल कर दिया है। एक 100 करोड़ के क्लब में एंट्री ले चुकी है, तो दूसरे ने अपनी लागत निकाल ली है। चलिए जानते हैं इनका कलेक्शन।

आदित्य सरपोतदार द्वारा डायरेक्ट और मैडॉक फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस की गई मूवी 'थामा' बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन से ही अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, बीच-बीच में इसकी कमाई थोड़ी कम जरूर हुई, लेकिन अब रिलीज के 8 दिन में ही यह मूवी 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा 'थामा' ने 8वें दिन मंगलवार को 5.5 करोड़ की कमाई की और इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसका कुल बिजनेस 101.10 करोड़ रुपये हो गया है।

ऐसे में अब यह फिल्म 2025 की उन चुनिंदा फिल्मों में शामिल हो गई है, जिसने इस साल 100 करोड़ के क्लब में एंट्री मारी। बता दें कि सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वर्ल्डवाइड यह फिल्म 138.4 करोड़ का कारोबार कर चुकी है।

'थामा' के साथ ही हर्षवर्धन राणे-सोनम बाजवा की फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' ने भी सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। लगभग 50 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 8 दिन में ही अपनी लागत निकाल ली है।

सेंसेक्स में 368 अंक की तेजी के साथ 84, 997 पर बंद निफ्टी 26, 000 के पार

मुंबई **(एजेंसी)**। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार में तेजी का माहौल बना रहा। बुधवार को सेंसेक्स 368 अंकों की मजबूती के साथ 84, 997 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी करीब 117 अंक चढ़कर 26, 053 के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई इंडेक्स 1, 030 अंकों (2%) की तेजी के साथ 51, 249 पर पहुंच गया। कोरिया का कोस्पी 50 अंक चढ़कर 4, 060 पर है। हालांकि हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 87 अंक गिरकर 26, 346 पर कारोबार कर रहा है,

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सं.: एसीपी/एन/2026/एईएम दिनांक: 29.10.2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई नगर निगम के आयुक्त निम्नलिखित कार्य/आपूर्ति के लिए निर्माता/अधिकृत विक्रेता/वितरक/आपूर्तिकर्ता/सेवा प्रदाता से नीचे दिए गए मद दर के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करते हैं:

अ.क्र.	कोटेशन सूचना	विषय
1	ACPN/SR/2026/AEM 29-10-2025	मालवणी डिस्पेंसरी गेट नं. 7 बीट नं. 48, मालवणी मलाड (पश्चिम), पी/उत्तर वार्ड में 180 दिनों के लिए अनुबंध के आधार पर सुरक्षा गार्ड उपलब्ध कराना।
ई-टेंडर बिक्री प्रारंभ तिथि और समय		30/10/2025 प्रातः 11:00 बजे से
ई-निविदा बिक्री की अंतिम तिथि और समय		06/11/2025 दोपहर 02.00 बजे तक
वाणिज्यिक उद्घाटन तिथि और समय		07/11/2025 प्रातः 10:00 बजे
वेबसाइट		https://portal.mcgm.gov.in
संपर्क व्यक्ति		श्री सलीम मुलानी सहायक अभियंता (रखरखाव) पी/उत्तरी वार्ड
कार्यालय का टेलीफोन नंबर		(022)28823266, 9930778512

निविदा दस्तावेज़ बीएमसी वेबसाइट https://portal.mcgm.gov.in के 'निविदाएं' अनुभाग से डाउनलोड किया जा सकता है।

सहायक अभियंता, पी/उत्तर

पीआरओ/2047/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

-सार्वजनिक सूचना-

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम, 1975 (24 जून 2021 तक संशोधित) की धारा 8 (3) (सी) के प्रावधानों के अनुसार, 'आर/उत्तर' वार्ड से 01 प्रस्ताव, 'आर/मध्य' वार्ड से 01 प्रस्ताव, अर्थात् ज़ोन VII में वृक्षों को हटाने के लिए कुल 02 प्रस्तावों को नगर आयुक्त, अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण, एमसीजीएम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा (8) की उपधारा (6) के अंतर्गत अनुमोदित किया जाता है।

उपर्युक्त प्रस्तावों में कटाई/रोपण हेतु वृक्षों की जानकारी एमसीजीएम की वेबसाइट www.mcgm.gov.in पर उपलब्ध है।हमारे बारे में वार्ड/विभाग विभागीय नियमावली उद्यान एवं वृक्ष प्राधिकरण- WS304-R/उत्तर, WS305-R/मध्य।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
वृक्ष प्राधिकरण के उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
पेंगुइन बिल्डिंग, द्वितीय तल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान
डॉ. अंबेडकर रोड, भायखला (पूर्व),
मुंबई 400027.
दूरभाष संख्या: 23742162, ईमेल: sg.gardens@mcgm.gov.in

पीआरओ/2040/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

म्यांमार से थाईलैंड पहुंचे सैकड़ों भारतीय हिरासत में, सुरक्षित वापसी के लिए भारत सक्रिय

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि हाल के दिनों में म्यांमार से थाईलैंड में प्रवेश करने वाले कई भारतीय नागरिकों को थाई अधिकारियों ने हिरासत में लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि थाईलैंड स्थित भारतीय मिशन स्थानीय अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है ताकि हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान की जा सके और आवश्यक प्रक्रियाएँ पूरी होने के बाद उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। जायसवाल के अनुसार, हिरासत में लिए गए व्यक्तियों की राष्ट्रीयता की पुष्टि की जा रही है ताकि यह पुष्टि हो सके कि वे वास्तव में भारतीय नागरिक हैं। इस प्रक्रिया में बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास और संबंधित थाई एजेंसियों के बीच सहयोग शामिल है। जयसवाल ने कहा कि थाईलैंड में हमारा मिशन थाई अधिकारियों के साथ मिलकर उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि कर रहा है और थाईलैंड में आवश्यक कानूनी औपचारिकताएँ पूरी होने के बाद उन्हें स्वदेश वापस भेज रहा है।

हालाँकि विदेश मंत्रालय ने उन परिस्थितियों के बारे में और जानकारी नहीं दी है जिनके तहत ये लोग थाईलैंड में दाखिल हुए, लेकिन सूत्रों का कहना है कि वे म्यांमार के संघर्ष क्षेत्रों से भागकर आए होंगे, जिसकी सीमा भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के साथ एक छिद्रपूर्ण और अस्थिर सीमा साझा करती है। म्यांमार के सैन्य शासन और जातीय सशस्त्र समूहों के बीच बढ़ती हिंसा के कारण हाल के महीनों में हज़ारों लोग सीमा पार कर चुके हैं।

पिछले कुछ दिनों में लोग म्यांमार से थाईलैंड क्यों पहुँचे?

म्यांमार के सीमावर्ती शहर म्यावाड्डी के पास केके पार्क नामक सबसे बड़े ऑनलाइन धोखाधड़ी केंद्रों में से एक पर सैन्य छापे के बाद, पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों लोग, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, म्यांमार से थाईलैंड पहुँचे। इनमें से कई सीमा पार गतिविधियाँ तात्कालिक साधनों से हुईं, जैसे कि लोग फोम के बक्सों पर तैरकर मोई नदी पार कर रहे थे या रात में अनौपचारिक सीमा पार कर रहे थे। यह पलायन म्यांमार के सैनिक शासकों द्वारा सीमा क्षेत्र में संचालित धोखाधड़ी केंद्रों पर की गई कार्रवाई के कारण हुआ।

थाई अधिकारियों ने बताया कि अक्टूबर के अंत में कुछ ही दिनों के अंतराल में कम से कम 28 देशों के 1,000 से ज़्यादा लोग, जिनमें लगभग 500 भारतीय शामिल थे, थाईलैंड के माई सोत शहर में घुस आए। भागने वालों में तस्करी के शिकार और आकर्षक कमाई के लालच में फँसे मज़दूर, दोनों शामिल थे। थाई अधिकारियों ने मानवीय सहायता की व्यवस्था की, सुरक्षा चौकियाँ स्थापित कीं और नए आने वालों की जाँच की ताकि मानव तस्करी के शिकार लोगों और अवैध सीमा पार करने के मुकदमे का सामना कर रहे लोगों के बीच अंतर किया जा सके। भारतीय नागरिकों की पहचान और उन्हें स्वदेश वापस लाने के लिए भारतीय और थाई अधिकारियों के बीच निरंतर सहयोग जारी है, जिनमें से कुछ को भारत सरकार सीधे स्वदेश भेजेगी।

बीजापुर में 51 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 20 पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम

बीजापुर। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी सफलता के रूप में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों के सामने 51 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें 20 नक्सलियों पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण, जिसमें नौ महिला नक्सली भी शामिल थीं, राज्य सरकार द्वारा जारी शांति और पुनर्वास प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के अनुसार, माओवादी सरकार की पुनर्वास नीति और क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों से प्रेरित थे। यादव ने कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़ने का उनका फैसला राज्य सरकार के शांति, संवाद और विकास के माध्यम से नक्सलवाद के उन्मूलन के चल रहे अभियान में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

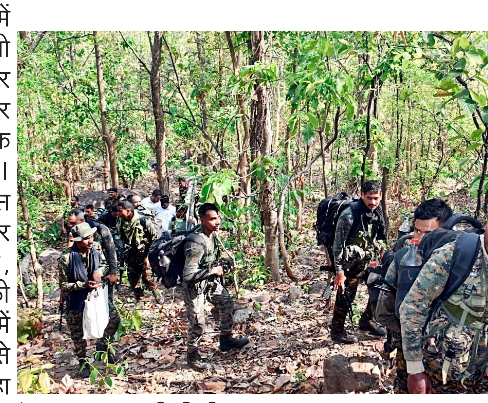

प्रमुख माओवादी इकाइयों के सदस्य आत्मसमर्पण करने वालों में पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन संख्या 01 और कंपनी संख्या 01, 02 और 05 के पाँच सदस्य शामिल थे। एसपी ने बताया कि इस समूह में क्षेत्रीय समितियों और प्लाटून के सात सदस्य, स्थानीय संगठन दस्ते (एलओएस) के तीन सदस्य, एक मिलिशिया प्लाटून कमांडर, 14 मिलिशिया प्लाटून सदस्य और 20 निचले स्तर के कार्यकर्ता भी शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले कई कार्यकर्ता हिंसक घटनाओं में शामिल थे और बीजापुर तथा आसपास के जिलों के आंतरिक वन क्षेत्रों में सक्रिय थे। उनके आत्मसमर्पण से क्षेत्र में माओवादी नेटवर्क के संगठनात्मक ढांचे के काफी कमजोर होने की आशंका है।

'पूना मार्गेम' पहल की बढ़ती सफलता

बस्तर रेंज पुलिस की 'पूना मार्गेम' पहल पूरे छत्तीसगढ़ में ज़ोर पकड़ रही है, जहाँ कई पूर्व नक्सलियों ने अपने हिंसक संघर्ष को जारी रखने के बजाय आत्मसमर्पण करने का विकल्प चुना है। कई नक्सलियों ने शांतिपूर्ण जीवन की चाह, बेहतर आजीविका के अवसर और सरकार की पुनर्वास नीतियों में विश्वास को अपने इस फैसले के प्रमुख कारण बताया है। पुलिस अधीक्षक यादव ने बताया कि जनवरी 2024 से अब तक बीजापुर में 650 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि 196 मुठभेड़ों में मारे गए और 986 अन्य गिरफ्तार किए गए।

उर्दू सबसे 'खूबसूरत' भाषा, प्रगति के लिए हिंदू-मुस्लिम सद्भाव अहमः किरेन रीजीजू

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को उर्दू को 'दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषा' बताया और कहा कि देश की प्रगति और एकता के लिए हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सद्भाव आवश्यक है।

जामिया मिलिया इस्लामिया के 105वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए उन्होंने भारत की साझी संस्कृति और लोकतांत्रिक भावना को प्रतिबिंबित करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रशंसा की। मंत्री ने कहा, ''विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य हमारे राष्ट्र के मूल्यों को खूबसूरती से दर्शाता है। मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि महात्मा गांधी और सरोजिनी नायडू जैसी महान हस्तियों ने इस विश्वविद्यालय की स्थापना के समय इसका समर्थन किया था।''

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन की सराहना करते हुए रीजीजू ने कहा कि वह इसके अकादमिक रिकॉर्ड और राष्ट्रीय रैंकिंग से 'बेहद प्रभावित' हैं। लोकतंत्र में खुली बहस के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, ''हमारे लोकतंत्र में लोग अपने विचार आक्रामक रूप से व्यक्त करते हैं, जिससे कभी-कभी ध्रुवीकरण पैदा होता है। लेकिन यह तब तक बुरा नहीं है जब तक कि इससे देश को नुकसान न हो।'' रीजीजू ने कहा कि संसद में अक्सर शोर-शराबे वाली बहसें होती हैं, फिर भी यह विविध विचारों को व्यक्त करने का सबसे अच्छा मंच है। उन्होंने कहा, ''संसदीय कार्य मंत्री के रूप में सदन चलाना कभी-कभी कठिन होता है। लेकिन संसद में अराजकता एक जीवंत लोकतंत्र की निशानी है।''

उन्होंने कहा कि व्यवधानों के बावजूद, महत्वपूर्ण कानून अंततः 'राष्ट्रहित में' पारित होते हैं। मंत्री ने भारत की संवैधानिक शक्ति और विविधता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''संविधान के कारण हम सुरक्षित रहेंगे, क्योंकि यह समस्या के हर पहलू को शामिल करता है और उसका समाधान प्रदान करता है।'' रीजीजू ने कहा कि सामाजिक सद्भाव बनाए रखना एक सामूहिक जिम्मेदारी है।

आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से मिली अंतरिम ज़मानत, 6 महीने के लिए चिकित्सा आधार पर रिहा

जयपुर। बलात्कार के दोषी स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम को बुधवार को राजस्थान उच्च न्यायालय ने चिकित्सा आधार पर छह महीने की अंतरिम ज़मानत दे दी। आसाराम ने चिकित्सा उपचार का हवाला देते हुए ज़मानत मांगी थी। आसाराम बलात्कार के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद है।

यौन उत्पीड़न के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम ने चिकित्सा उपचार के लिए उच्च न्यायालय में नियमित ज़मानत याचिका दायर की थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। वर्तमान में, आसाराम का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। नियमित ज़मानत के लिए आवेदन उनकी वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति का हवाला देते हुए किया गया था।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिका की समीक्षा की। न्यायालय ने आसाराम के वकील द्वारा प्रस्तुत चिकित्सा रिकॉर्ड की जाँच की, जिसमें उनके बिगड़ते स्वास्थ्य और जेल सुविधाओं में उपलब्ध नहीं होने वाले विशेष उपचार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि आसाराम वर्तमान में एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं, जहाँ उन्हें निगरानी में चिकित्सा देखभाल मिल रही है। पीठ ने छह महीने की राहत दी।

चिकित्सा दस्तावेजों और दोषी की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने के बाद, राजस्थान उच्च न्यायालय ने छह महीने की अंतरिम जमानत देने का फैसला किया। इस आदेश में आसाराम को इलाज और स्वास्थ्य लाभ के लिए अस्थायी रिहाई की अनुमति दी गई है, साथ ही अदालत ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह राहत पूरी तरह से चिकित्सा आधार पर है।

मामले की पृष्ठभूमिः आसाराम बलात्कार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, उसने कई जमानत याचिकाएँ दायर की हैं, जिनमें से अधिकांश को अपराध की प्रकृति और उसकी दोषसिद्धि की स्थिति के कारण विभिन्न अदालतों ने खारिज कर दिया है। यह अंतरिम जमानत उसके कारावास के बाद उसे दी गई पहली महत्वपूर्ण राहत है।

जो भारत ने भी नहीं किया, वो तालिबान ने पाकिस्तान के साथ कर दिया, पूरे इस्लामाबाद में हड़कंप!

काबूल। आप किसी मक्कार और दुश्मन देश को डरा-धमका और मिटा तो सकते हैं लेकिन उस देश से उसी की गलती उगलवाना कई बार मुश्किल हो जाता है। भारत अगर करने पर आया तो वो पाकिस्तान को एक झटके में नक्शे से मिटाकर इतिहास की किताबों में डाल सकता है। लेकिन जाहिर सी बात है कि भारत पाकिस्तान से ये कैसे बुलवाए कि उसकी दूसरे देशों के साथ क्या सीक्रेट डील्स हैं? लेकिन तालिबान ने चिकनी और चालाकी भरी बातें कर पाकिस्तान से लिखित में यह काम करवा लिया है। इतिहास में पहली बार पाकिस्तान ने परेशान होकर बताया है कि एक विदेशी देश से उसकी क्या सीक्रेट डील हुई है। आपको बता दें कि ये डील भारत के लिए बहुत बड़ा खतरा बन सकती है। दरअसल पाकिस्तान तालीबान के हमलों से इतना परेशान हो गया है कि वो किसी भी कीमत पर सीज फायर चाहता है। पाकिस्तान इसलिए भी ज्यादा परेशान है क्योंकि इस्लाम के नाम पर आधी पाकिस्तानी जनता तालीबान का साथ देने के लिए तैयार है।

यह चीज किसी भी देश के लिए बहुत खतरनाक होती है जब उसके ही लोग दुश्मन से वफादारी करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं। इसी का फायदा उठाते हुए तालिबान ने पाकिस्तान से लिखित में वह सच उगलवा लिया जो भारत शायद नहीं बुलवा पाता। तालिबान के दबाव में पहली बार पाकिस्तान ने स्वीकार किया है कि उसने एक विदेशी देश के साथ ऐसी डील की है जिसके तहत वो विदेशी देश किसी दूसरे देश पर हमला करने के लिए पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल कर सकता है। क्योंकि इस डील में साफ-साफ लिखा है कि यह रहस्यमई विदेशी देश जब अपने फायदे के लिए पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल करेगा तो पाकिस्तान इसमें दखल नहीं दे सकता। यह एक होश उड़ा देने वाला कुबूलनामा है यानि एक ऐसा विदेशी देश है जो हमला करने के लिए पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल कर सकता है और पाकिस्तान उस विदेशी देश को रोक भी नहीं सकता।

अफगानिस्तान ने वार्ता के दौरान पाकिस्तान के सामने दो शर्तें रखी। पहली की पाकिस्तान किसी भी हालत में अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र या लैंड बॉर्डर का उल्लंघन नहीं करेगा। दरअसल, हाल ही में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कई इलाकों पर एयर स्ट्राइक की थी। जिसमें राजधानी काबुल भी शामिल था। दूसरी शर्त थी कि पाकिस्तान अपने इलाके का इस्तेमाल अफगानिस्तान के दुश्मनों के लिए नहीं होने देगा। अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्रालय और पाकिस्तान के सेना एवं रक्षा मंत्री के प्रवक्ताओं ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। दोनों पक्षों से अपेक्षा की जाती है कि वे आगे तनाव बढ़ने से रोकने के लिए गुप्त संपर्क जारी रखें। हालाँकि, ठोस प्रगति के बिना, सीमा पर झड़पें और कूटनीतिक तनाव जारी रहने की संभावना है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता के प्रयास जटिल हो जाएँगे। न दोनों शर्तों ने पाकिस्तान की बौखलाहट बढ़ा दी। क्योंकि अब तालिबान ने उस पर वही आरोप मढ़ दिए हैं जो पाकिस्तान हमेशा दूसरों पर लगाता रहा है। तालिबान का ये रुख पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका है। अपनी नाकामी को छुपाने के लिए पाकिस्तान अब तालिबान को जिद्दी बताने में जुट गया है। पाकिस्तानी मीडिया ने भी सरकार की लाइन पकड़ ली। जियो न्यूज ने रिपोर्ट दी कि वार्ता इसलिए फेल हुई क्योंकि तालिबान के तर्क अतार्किक और जमीनी हकीकत से अलग हैं। पाकिस्तान का दावा है कि उसने तालिबान को स्पष्ट और सबूत आधारित मांगे दी थी। लेकिन तालिबान ने सकारात्मक रुख नहीं दिखाया।

सहारनपुर में फर्जी डिग्री बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पांच आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर। सहारनपुर जिले की सदर बाजार थाना पुलिस और 'सर्विलांस सेल' की संयुक्त टीम ने मंगलवार को फर्जी डिग्री और अंकपत्र तैयार करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि उनके कब्जे से 240 नकली अंकपत्र बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक (नगर) व्योम बिंदल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सोमवार को गोविंद नगर निवासी अश्विनी कुमार ने पुलिस को दी गई अपनी तहरीर में आरोप लगाया था कि जिले के जनता रोड निवासी रिंकू कुमार, ग्राम हरपाल निवासी जसबीर उर्फ काला और अन्य अज्ञात लोगों ने फर्जी अंकपत्र लेकर 70 हजार रुपये ठग लिए।

शिकायत में कहा गया कि आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। इस शिकायत पर सदर बाजार पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। बिंदल ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 240 नकली अंकपत्र, चार लैपटॉप, 10,500 रुपये, नौ मोबाइल फोन और एक कार बरामद की।

गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों की पहचान पर्वत कुमार, सिद्धार्थ शंकर और अक्षय देव के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने नकली डिग्री और अंकपत्र तैयार कर बेचने वाले गिरोह संचालित किए जाने की बात स्वीकार की।

बिंदल ने बताया कि आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे लखनऊ, दिल्ली, मेरठ, नगालैंड और उत्तराखंड में अपने संपर्कों के माध्यम से फर्जी दस्तावेज तैयार करवाते थे और पाठ्यक्रम के हिसाब से डिग्री चाहने वालों से 30,000 रुपये से लेकर 4.5 लाख रुपये तक वसूल करते थे।

छोटी-मोटी झड़पें तो होती रहती हैं, इजरायली हमलों के बाद जेडी वेंस ने बताया किस तरह का है सीजफायर

नई दिल्ली। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि क्षेत्र में इज़राइली हमलों के बावजूद, गाजा में युद्धविराम योजना के अनुसार जारी है, जबकि यरुशलम और हमास ने एक-दूसरे पर युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। वेंस ने कहा कि युद्धविराम जारी है। इसका मतलब यह नहीं है कि यहाँ-वहाँ छोटी-मोटी झड़पें नहीं होंगी। हम जानते हैं कि हमास या गाजा में किसी और ने आईडीएफ के एक सैनिक पर हमला किया था।

इज़राइल द्वारा फ़िलिस्तीनी क्षेत्र में युद्धविराम का उल्लंघन करने का आतंकवादी समूह हमास पर आरोप लगाने के बाद, इज़राइली विमानों ने मंगलवार को गाजा में हमले किए। गाजा में स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि नवीनतम इजरायली हमलों में 26 लोग मारे गए हैं, जिनमें मध्य गाजा पट्टी में बुरेज शरणार्थी शिविर में एक घर में हुए हमले में पांच लोग, गाजा शहर के सबरा पड़ोस में एक इमारत में चार लोग और खान यूनिस में एक कार में पांच लोग मारे गए हैं।

हालांकि इज़राइली सेना ने अभी तक इन हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन गाजा पर हमले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय के एक बयान के बाद हुए हैं, जिसमें आईडीएफ को क्षेत्र में तत्काल और शक्तिशाली हमले करने का आदेश दिया गया था। नेतन्याहू ने हमास पर युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया और कहा कि नए हमले उग्रवादी समूह द्वारा बार-बार किए गए उल्लंघनों के जवाब में किए गए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा परामर्श के बाद, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सेना को गाजा पट्टी में तुरंत शक्तिशाली हमले करने का निर्देश दिया। हालांकि आधिकारिक बयान में हमलों का कारण नहीं बताया गया, लेकिन एक इजरायली सैन्य अधिकारी ने कहा कि ये हमले इजरायली नियंत्रण वाले क्षेत्र में इजरायली सेना के खिलाफ हमास के हमले के जवाब में किए गए। इज़राइल और हमास के बीच मुख्य मुद्दा मृत बंधकों की वापसी है, जो गाजा में मलबे के नीचे हमास के लिए मुश्किल साबित हो रहा है।

कश्मीर को लेकर टूट पड़े 57 मुस्लिम देश, अचानक भारत के समर्थन में ब्रिटेन ने मचाया तहलका

नई दिल्ली। इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी ने एक बार फिर भारत के खिलाफ बयानबाजी करते हुए कश्मीर मुद्दे को उछाला है। पाकिस्तान के दबाव में जारी इस बयान में ओआईसी ने भारत पर जम्मू कश्मीर में अवैध कब्जे का आरोप लगाया। इसके अलावा ओआईसी ने कश्मीरियों के कथित आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन दोहराया। अब सोचिए यह वही ओआईसी है जो आतंकवाद जैसे मुद्दों पर बात नहीं करता। पाकिस्तान में पल रहे आतंकियों की बात नहीं करता। ये ओआईसी अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हमले चीन ने मुसलमानों पर अत्याचार जैसे मुद्दों पर भी खामोश रहता है। लेकिन पाकिस्तान जैसे देशों के दबाव में जरूर भारत के खिलाफ बयानबाजियां करता है। दरअसल ओआईसी के महासचिवालय की ओर से जारी लिखित बयान में कहा गया कि ओआईसी जम्मू कश्मीर के लोगों की वैध आकांक्षाओं और आत्मनिर्णय के अधिकार के साथ खड़ा है।

यह ओआईसी की कम और पाकिस्तान की भाषा ज्यादा लग रही है क्योंकि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था है और हमेशा रहेगा। हालांकि ओआईसी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पुराने प्रस्तावों का हवाला देते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कश्मीर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की। संगठन ने यह भी कहा कि जम्मू कश्मीर के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कदम उठाने चाहिए। लेकिन आपको बता दें ओआईसी का यह रवैया नया नहीं है। पिछले कई दशकों से यह संगठन पाकिस्तान के पक्ष में खड़ा दिखाई देता रहा है। भारत ने पहले भी ओआईसी के ऐसे बयानों को खारिज करते हुए कहा है कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और इस पर किसी बाहरी संगठन या देश का कोई अधिकार नहीं है। वहीं ब्रिटेन की संसद में भारत के समर्थन में पेश किया गया एक नया प्रस्ताव। पाकिस्तान को बहुत चुभने वाला है। दरअसल ब्रिटिश कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने ब्रिटेन की संसद में अर्ली डे मोशन पेश किया है। जिसमें जम्मू कश्मीर पर भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को दोहराया गया है। ये प्रस्ताव ना केवल भारत की ऐतिहासिक और संवैधानिक स्थिति को मान्यता देता है बल्कि पाकिस्तान की ओर से लगातार किए जा रहे दुष्प्रचार के बीच एक मजबूत कूटनीतिक संकेत भी माना जा रहा है। इस प्रस्ताव में कहा गया कि 26 अक्टूबर 1947 को तत्कालीन महाराजा हरी सिंह ने जम्मू कश्मीर का भारत में विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटेन ने 27 अक्टूबर को इसे स्वीकार किया और इस तरह जम्मू कश्मीर औपचारिक रूप से भारत का हिस्सा बन गया।

दरअसल हर साल 26 अक्टूबर को एक्सेशन डे मनाया जाता है। यह दिन उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब जम्मू कश्मीर ने भारत के साथ एकता और अखंडता के रस्ते को चुना था। यह प्रस्ताव 1947 के उस दौर की भी याद दिलाता है जब पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर पर आक्रमण किया था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 | कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)